कनार्टक का हिजाब विवाद अब शीर्ष कोर्ट तक पहुंचा गया है। हालांकि कोर्ट ने इस पर तुरंत सुनवाई की मांग को ठुकरा दिया है। राज्य के उडुपी और चिकमंगलूर से शुरू हुआ ये विवाद अब राजनीतिक रंग ले चुका है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 60 दिनांक: 11-02-2022 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पहले चरण के 11 जिलों में कुल 60.17 प्रतिशत मतदान हुआ है। सबसे ज्यादा शामली जिले में लोगों ने वोटिंग की है। वहां सभी तीन विधानसभा सीटों पर कुल 69.42 प्रतिशत वोट पड़े हैं। वहीं सबसे कम गाजियाबाद में 54.77 प्रतिशत मतदान हुआ है।

आरबीआई ने रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया, चार फीसदी पर स्थिर

- कर्ज की मासिक किस्त में कोई बदलाव नहीं होगा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे चार प्रतिशत पर बरकरार रखा। इसका मतलब है कि कर्ज की मासिक किस्त में कोई बदलाव नहीं होगा। साथ ही आरबीआई ने मुद्रास्फीति की ऊंची दर के बीच उदार रुख को बरकरार रखा। यानी हाल-फिलहाल नीतिगत दर में वृद्धि की संभावना नहीं है। यह लगातार 10वां मौका है जब आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे पहले 22 मई, 2020 को मांग को गति देने के इरादे से रेपो दर में कमी कर इसे रिकार्ड निचले स्तर पर लाया गया था। आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि समिति ने रिवर्स रेपो दर को 3.35 प्रतिशत पर यथावत रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है और देश मजबूत आर्थिक वृद्धि हासिल करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि हमने आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान को सीमित करने का प्रयास किया है। जबकि सीपीआई उच्च स्तर पर है। कोर महंगाई हाई पर है और चौथी तिमाही में में चरम पर होने की उम्मीद है। टिकाऊ, व्यापक आधार वाली रिकवरी के लिए निरंतर नीतिगत समर्थन जरूरी है। सीपीआई मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2023 की दूसरी छमाही में 4 फीसदी के लक्ष्य के करीब रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2022 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति का अनुमान 5.3 फीसदी पर बरकरार रखा गया है। आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष 2023 के लिए जीडीपी :विकास दर 7.8 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह विकास दर 7.2 फीसदी, दूसरी तिमाही में 7 फीसदी, तीसरी तिमाही में 4.3 फीसदी और चौथी तिमाही में भारत की विकास दर का अनुमान 4.5 फीसदी लगाया गया है।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि मौद्रिक नीति समिति की मीटिंग में रेपो और रिवर्स रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला हुआ है। लोन की ब्याज दरें तय करने वाला रेपो रेट अभी 4 प्रतिशत और रिवर्स रेपो रेट 3.35 प्रतिशत है। आरबीआई ने लगातार 10वीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे पहले वर्ष 2020 में केंद्रीय बैंक ने मार्च में 0.75 प्रतिशत और मई में 0.40 प्रतिशत की कटौती की थी और उसके बाद से रेपो रेट 4 प्रतिशत के ऐतिहासिक निचले स्तर पर लुढ़क गया था। इसके बाद से अभी तक आरबीआई ने दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

आरबीआई ने ई-रुपी प्रीपेड डिजिटल वाउचर के तहत कैप बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 10 हजार रुपए की मौजूदा सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपए प्रति वाउचर कर दिया गया है। ई-रुपी मूल रूप से एक डिजिटल प्रीपेड वाउचर है, जो एक कस्टमर्स को उसके फोन पर एसएमएस या क्यूआर कोड के रूप में मिलता है। कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने ई-रुपी को लॉन्च किया था। ई-रुपी कॉन्टैक्टलेस, कैशलेस वाउचर बेस्ड पेमेंट का तरीका है, जो यूजर्स को कार्ड, डिजिटल भुगतान ऐप या इंटरनेट बैंकिंग के बिना वाउचर भुनाने में मदद करता है।

हिंसा मामले में अजय मिश्रा के बेटे आशीष को मिली जमानत

-इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने आशीष मिश्रा को दी जमानत

लखीमपुर खीरी (ईएमएस)। लखीमपुर हिंसा मामले को लेकर आरोपी बनाए गए केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को आज जमानत मिल गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने आशीष मिश्रा को जमानत दी है। आशीष मिश्रा पर किसानों को कुचलने का आरोप लगाया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। बताया जा रहा है कि आशीष मिश्रा को बेल बांड दाखिल करना होगा, उसके बाद वह जेल से जमानत पर बाहर आ सकते हैं।

इससे पहले उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष समेत सभी 14 अभियुक्तों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। पिछले साल तीन अक्टूबर को लखीमपुर जिले के तिकुनिया क्षेत्र में अजय मिश्रा के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने जा रहे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के किसानों द्वारा विरोध के दौरान हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में गृह राज्य मंत्री का बेटा आशीष मुख्य अभियुक्त है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने लखीमपुर खीरी में किसानों को कुचलने के मामले में आशीष मिश्रा को जमानत मिलना दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। मोर्चा की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि चार किसानों और एक पत्रकार को दिन-दहाड़े रोंदने का यह नृशंस मामला पूरे देश में कानून के राज की एक कसौटी बन गया था। स्पष्ट प्रमाण के बावजूद हत्या के आरोपी को इतनी जल्दी जमानत मिलना और वह भी यूपी चुनाव के पहले दिन होना, आश्चर्य का विषय है।

यूपी विधानसभा चुनाव- पहले चरण में 58 सीटों पर 57.79 फीसदी मतदान

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में 18वीं विधानसभा के गठन के लिए चल रही चुनाव प्रक्रिया के तहत गुरुवार को प्रथम चरण में 11 जिलों की 58 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ। मतदान शुरु होने के समय कोहरा और ठण्ड होने के कारण मतदाता कम ही निकले लेकिन जैसे-जैसे धूप खिली और मौसम साफ हुआ वैसे-वैसे मतदान केन्द्रों पर भीड़ बढ़ती देखी गयी। वहीं इस दौरान कई स्थानों से ईवीएम खराब होने की भी शिकायतें आयीं तो कुछ राजनीतिक दलों ने सत्ता में दबाव में मतदान कराने का आरोप भी लगाया। कुल मिलाकर प्रथम चरण में मतदान शांतिपूर्ण रहा। प्रथम चरण में इन 58 विधानसभा क्षेत्रों में औसतन 59.61 फीसद मतदान हुआ। इस दौरान सर्वाधिक मतदान मुजफ्फरनगर जिले में 62.14 फीसदी हुआ। यहां की बुढ़ाना विधानसभा सीट पर सबसे अधिक 64.84 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं सबसे कम गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जिले में 54.77 फीसदी मतदान हुआ। मतदान के साथ ही प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के नौ मंत्रियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गयी। वहीं इस चरण में कुल 623 प्रत्याशी मैदान में हैं।

प्रथम चरण में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 58 सीटों पर हुए मतदान में मुजफ्फर नगर में सर्वाधिक 62.14 प्रतिशत, शामली में 61.78, मुजफ्फरनगर में 62.14, मेरठ में 58.52, बागपत में 61.35, गाजियाबाद में 54.77, हापुड़ में 60.50, गौतमबुद्धनगर में 54.77, बुलंदशहर में 60.52, अलीगढ़ में 57.25, मथुरा में 58.51 तथा आगरा में 56.61 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री प्रो एसपी बघेल ने आगरा और डा. संजीव बालियान ने मुजफ्फरनगर में मतदान किया। मुजफ्फनगर के शाहपुर के गांव कुटबी में केन्द्रीय मंत्री डा. संजीव बालियान ने वोट डाला। उधर, भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने परिवार सहित मतदान किया। वहीं इस दौरान ईवीएम खराब होने और दबाव डालकर मतदान कराने की शिकायतें भी आयीं। शामली में समाजवादी पार्टी व राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी पर दलित समाज पर दबाव बना कर वोट डलवाने के आरोप में पुलिस ने जिला पंचायत सदस्य उमेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उधर, आगरा के एत्मादपुर विधानसभा क्षेत्र के आंवलखेड़ा में एक बूथ पर भाजपा के एजेंट अजय कुमार ने मतदान करने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जानकारी पर पुलिस ने एजेंट ने गिरफ्तार कर लिया। वायरल वीडियो 26 सेकंड का है। इसमें एक युवक ईवीएम का बटन दबाने पर दिखाई देने वाली पर्ची का इंतजार कर रहा है। दोनों अंगुलियों से विक्ट्री का निशान बनाकर दिखा रहा है। गाजियाबाद में कई मतदान केंद्रों से यह शिकायतें मिलीं कि मतदाता के वोट डालने से पहले ही उसका वोट पड़ चुका है।

चुनाव आयोग ने मणिपुर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीखों में बदलाव किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने मणिपुर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीखों में बदलाव किया है। परिवर्तित कार्यक्रम के अनुसार, राज्य में अब पहले चरण का मतदान 28 फरवरी को और दूसरे चरण का 5 मार्च को होगा। आयोग ने पहले राज्य में पहले चरण के लिए 27 फरवरी और दूसरे चरण के लिए 3 मार्च की तारीख तय की थी। मणिपुर सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे।

गुरुग्राम में निर्माण के दौरान लेंटर गिरा, हादसे में दो मजदूरों की मौत

गुरुग्राम (ईएमएस)। गुरुग्राम के द्वारका एक्सप्रेसवे स्थित निर्माणधीन सोसायटी में चिंतल पैरा डाइसो सोसायटी की छठवीं मंजिल में निर्माण के दौरान लेंटर गिर गया। इस हादसे में दो मजदूरों की मौत हो गई है। जबकि 5 से 6 अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। जिला प्रशासन राहत कार्य में जुटा है। गुरुग्राम पुलिस औ- अन्य बचाव एजेंसियां मलबे के बीच दबे लोगों की तलाश में जुटी हैं। हालांकि हादसे की वजहों का अभी तक पता नहीं चल सका है। चिंटेल्स पैराडाइसो हाउसिंग कांप्लेक्स गुरुग्राम के सेक्टर 109 में स्थित है, जहां एक इमारत में ये दुर्घटना हुई है।

पीएम ने भाषणों में पूरा समय कांग्रेस को दिया लेकिन चीन पर मेरे सवालों का जवाब नहीं दिया - राहुल

हरिद्वार (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने संसद में अपना सारा समय कांग्रेस पर ही लगा दिया। उन्होंने उत्तराखंड में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ठमैं नरेंद्र मोदी से नहीं डरता, उनके अहंकार पर मुझे हंसी आती है।ठ राहुल गांधी ने हरिद्वार जिले के मंगलौर में कहा कि संसद में पीएम मोदी ने अपने भाषणों में अपना पूरा समय कांग्रेस को दिया लेकिन चीन पर मेरे सवालों का जवाब नहीं दिया। बाद में अपने साक्षात्कार में राहुल गांधी ने कहा, ठउन्होंने कहा कि 'राहुल सुनते नहीं हैं', क्या आप जानते हैं कि इसका क्या अर्थ है? इसका मतलब है कि ईडी और सीबीआई का दबाव भी राहुल पर काम नहीं करता है।ठ

उन्होंने कहा, ठवह (राहुल) मेरी नहीं सुनते। मैंने उन पर कितना भी दबाव डाला, वह पीछे नहीं हटते। वह नहीं सुनते।ठ गांधी ने कहा, ठमैं क्यों सुनूं? नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी और दोषपूर्ण जीएसटी (वस्तु और सेवा कर) के जरिए भारत के छोटे व्यापारियों, मध्यम व्यवसायों, किसानों और मजदूरों को बर्बाद कर दिया है। मैं नरेंद्र मोदी से नहीं डरता, उनका अहंकार मुझे हंसाता है।

इलेक्शन कमीशन व मौसम ने मुझे आपके बीच आने एवं आपके दर्शन करने का दिया सौभाग्य: मोदी

अबकी बार बाबा केदारनाथ, बदरीनाथ इच्छा पूरी करेंगे

भाजपा का संकल्प पत्र इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने में निभायेगा बहुत बड़ी भूमिका: पीएम

देहरादून, 10 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चारधाम की रक्षक देवी मां धारी देवी, कमलेश्वर महादेव को याद करते हुए कहा कि यहां विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अबकी बार बाबा केदारनाथ, बदरीनाथ इच्छा पूरी करेगी। इलेक्शन कमीशन व मौसम ने मुझे आपके बीच आने व आपके दर्शन करने का सौभाग्य दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से पुराना नाता है। मेरा देवभूमि से लगाव कितना है 2019 में चुनाव के अंतिम क्षण में चल रहा था और काशी मे मतदान होना था, देवभूमि की माटी को माथे लगाने का मन बनाया और बाबा केदार ने पुकारा मैं यहां चला आया। चुनाव के मैदान में भी और खुद का चुनाव होने के बावजूद भी आपके बीच चला आया। देवभूमि के प्रति मेरी भक्ति व मेरा लगाव है। पीएम मोदी ने कहा कि देवभूमि व वीर भूमि है इससे ऊर्जा मिलती है और प्रेरणा मिलती है। मां गंगा, तीलू रौतेली, पन्ख्या दादा, माधो सिंह भंडारी आदि से प्रेरणा पाने वाली धरती और लोगों को मैं आदर पूर्वक प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि कल ही भाजपा ने अपना संकल्प पत्र जारी किया और इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभायेगा। राज्य के विकास, युवाओं, महिलाओं, किसानों सभी के लिए नये संकल्प लिये गये हैं। गरीब बहनों ताकत देने का समाधान है। जिला मेडिकल कालेज या उसके जैसी सुविधा देने का संकल्प है कृषि क्षेत्र में किसानों को सुविधायें दी जायेंगी और नये उद्योगों के लिए रोजगार के हजारों नये अवसरों को रास्ते खोलने का कार्य संकल्प लेकर व्यक्त किया। उन्होंने राज्य के हैरिटेज को बचाने के लिए सीएम पुष्कर सिंह धामी व उत्तराखंड भाजपा की टीम को शुभकामनायें भी दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के लोगों ने हमेशा सजग प्रहरी की तरह देश की रक्षा की। पौड़ी गढवाल के वीर स्वर्गीय जनरल बिपिन रावत ने देश को सिखाया कि लोगों में पहाड जैसा साहस और हिमालय जैसी सोच भी होती है। उन्होंने कहा कि मेरे मन में एक तकलीफ थी जिक्र इसलिए करना पड रहा है। कांग्रेस पार्टी ने स्वर्गीय सीडीएस जनरल बिपिन रावत के कटआउट लगाकर वोट मांग रही है और कुर्सी के किस सीमा तक जा सकती है विश्वास नहीं हो रहा है राज्य के लोग कभी भूल नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि सेना को लेकर इन लोगों का रवैया कैसा रहा है सेना से सर्जिकल स्ट्राइक की यह लोग सेना पर सवाल उठाये और दिल्ली के नेताओं ने सेना से सबूत मांगे थे। पहला सीडीएस बनाये जाने पर सियासत की और सड़क का गुंडा तक कहा था। इन लोगों की नफरत वोट के लिए जनरल रावत का सियासी इस्तेमाल कर रहे हैं उन्हें जवाब देने की जिम्मेदारी उत्तराखंड के लोगों की है। उन्होंने कहा कि इन्हें जवाब देंगे करारा जवाब देंगे जनता से पूछा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने अभूतपूर्व काम किया और सवा करोड़ की आबादी को अटल आयुष्मान योजना से जोडा है पांच लाख का मुफ्त इलाज लोगों को मिल रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि किसानों गरीबों को कोरोना काल में लाभ दिया और बैंक खातों में सीधे पैसा दे रही है इससे यह बौखला रहे हैं और गलती से सत्ता में आ गये तो भाजपा के काम रोक देंगे। क्या होने देना है क्या उनके सारे इरादे फेल करना है।

हिजाब विवाद पर ओवैसी ने पाक को दिखाया आईना, कहा यह हमारा मामला है हम हल कर लेंगे

लखनऊ (ईएमएस)। हिजाब को लेकर देश में चल रहे विवाद को लेकर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान जबरदस्ती बिन मांगे अपनी प्रतिक्रिया कर रहा है। पहले इमरान के चहेते मंत्री फवाद चौधरी ने सोशल मीडिया पर हिजाब विवाद को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ अपना जहर उगला फिर हिजाब विवाद में इमरान खान सरकार के दूसरे मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा है कि हिजाब पहनने पर मुस्लिम लड़कियों को डराया जा रहा है। अब असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को आइना दिखाया है।

ओवैसी ने कहा पाकिस्तान को हम याद दिलाना चाहेंगे कि मलाला को वापस बुलाओ और उसको सुरक्षा दो। तुम्हारे देश में तुमने मलाला को गोली मारी। उस बच्ची को बाहर जाकर अपनी तालीम पूरी करनी पड़ी और उसे बाद में नोबल पीस प्राइज मिला।

ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान को यह भी समझना चाहिए कि हमारे शिया भाईयों के ऊपर, बलूचियों के ऊपर, पाकिस्तान को अभी तक इस्लाम के बारे में सही मायने नहीं समझ में आए हैं। वो हमारे भारत के संविधान के बारे में मत बात करे। उनके संविधान में तो कोई गैर मुस्लिम न प्रधानमंत्री बन सकता है न राष्ट्रपति बन सकता है। पाकिस्तान अपने देश के मसलों की फिक्र करे।

ओवैसी ने कहा कि हम पाकिस्तान के लोगों से कहेंगे कि इधर मत देखो, उधर ही देखो। ओवैसी ने कहा कि ये देश मेरा है, ये हमारे घर का मामला है। आप अपनी टांग या अपनी नाक मत अड़ाओ।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में विजय माल्या के पास आखिरी मौका

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने भगौड़ा कारोबारी विजय माल्या को आखिरी मौका देते हुए आगामी 24 फरवरी को कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि ये विजय माल्या के लिए आखिरी मौका है, जिसमें वे अपने बचाव के लिए कोर्ट में उपस्थित रहें। गौरतलब है कि एक सप्ताह पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को सलाह दी थी कि जो भगौड़े कारोबारी पैसों का भुगतान करने के लिए तैयार हैं तो क्यों न उन्हें भारत लौटने देने और उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाहियों को रोकने पर विचार किया जाए। जस्टिस संजय किशन कौल और एमएम सुंदरेश की पीठ ने कहा था कि कानूनी कार्रवाई में कई वर्ष लगेंगे और एजेंसियां भगोड़े व्यवसायियों को वापस लाने के अपने प्रयास में सफल हो भी सकती हैं और नहीं भी।

सुप्रीम कोर्ट में हिजाब विवाद: लड़कियों पर पत्थर फेंके, कॉलेज बंद करने पड़े:सिब्बल

-विवाद को चीफ जस्टिस की बेंच के सामने मेंशन किया, केस को अपने पास ट्रांसफर की गुजारिश

बेंगलुरू (ईएमएस)। कर्नाटक में चल रहा चर्चित हिजाब विवाद केस अब सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे पहले हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही थी, मामला बढ़ते देख सुप्रीम कोर्ट को इसमें दखल देना पड़ा। हिजाब विवाद को चीफ जस्टिस की बेंच के सामने मेंशन किया गया है। कोर्ट में एडवोकेट और कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से केस को अपने पास ट्रांसफर करके सुनवाई की गुजारिश की है। कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि स्कूलों-कॉलेजों को बंद करना पड़ा है, लड़कियों पर पत्थरबाजी भी हुई है। उन्होंने कहा कि यह उस धार्मिक मामले की तरह है जिसपर 9 जजों की बेंच ने सुनवाई की थी। सबरीमाला मंदिर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने सुनवाई की थी।

सिब्बल की गुजारिश पर चीफ जस्टिस ने कहा कि पहले इसपर कर्नाटक हाईकोर्ट की सुनवाई पूरी होने दें। हाईकोर्ट ने इसे बड़ी बेंच को ट्रांसफर किया है। इसपर सिब्बल ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट से मामले को लिस्ट करने की बात कर रहे हैं। अगर हाईकोर्ट कोई आदेश जारी नहीं करता है तो सुप्रीम कोर्ट को इसे खुद के पास ट्रांसफर करना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने आज कहा कि स्कूल परिसर और छात्रों के बीच शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्कूलों में अवकाश किया गया है। मैं सभी लोगों से अपील करता हूं कि वे ऐसा कुछ भी न करें जिससे स्कूल परिसर और राज्य में शांति भंग हो।

अपनी ही सीट पर फंसे सिद्धू? बार-बार जा रहे हैं वैष्णो देवी

अमृतसर (ईएमएस)। कांग्रेस की ओर से सीएम फेस की रेस में रहे नवजोत सिंह सिद्धू अब अपनी ही सीट पर फंसे दिख रहे हैं। अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव लड़ रहे सिद्धू एक बार फिर से वैष्णो देवी की यात्रा पर निकल गए हैं। एक सप्ताह के भीतर यह वैष्णो देवी की उनकी दूसरी यात्रा है। 20 फरवरी को मतदान होना है और उससे पहले उनके वैष्णो देवी जाने को लेकर कहा जा रहा है कि हिंदू समुदाय को लुभाने के लिए वह ऐसा कर रहे हैं। दरअसल अकाली दल से यहां बिक्रम सिंह मजीठिया मुकाबले में उतरे हैं और माना जा रहा है कि वह कड़ी टक्कर दे रहे हैं। अमृतसर ईस्ट सीट हिंदू बहुल है और सिद्धू के लिए चुनावी लड़ाई उतनी आसान नहीं है, जितनी समझी जा रही थी।

एक तरफ नवजोत सिंह सिद्धू वैष्णो देवी की यात्रा पर निकले हैं तो उनकी पत्नी नवजोत कौर ने विधानसभा क्षेत्र में मोर्चा संभाल लिया है और पति के लिए वोट मांग रही हैं। वह यह कहते हुए वोट मांग रही हैं कि सिद्धू के पास पूरे राज्य की जिम्मेदारी है, इसलिए मैं आप लोगों के बीच हूं। उन्होंने दावा किया कि कई लोगों ने शिकायत की है कि मजीठिया के लोगों ने उनको धमकी दी है। इससे पहले 2 फरवरी को भी सिद्धू वैष्णो देवी पहुंचे थे। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, 'इस सीट पर हिंदुओं की अच्छी खासी आबादी है। हर वोट मायने रख रहा है। शायद यही वजह है कि वह हिंदू समुदाय को लुभाने के लिए भी वैष्णो देवी जा रहे हैं। मजीठिया के साथ उनका मुकाबला कड़ा हो चुका है।' इस बीच नवजोत सिंह सिद्धू ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह खुद को अमृतसर के लिए समर्पित बताते दिख रहे हैं। इस वीडियो में अरुण जेटली के लिए अपनी अमृतसर लोकसभा सीट छूटने का दर्द भी जताते दिख रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि अकाली दल की ही साजिश थी कि वह अमृतसर से दूर चले जाएं। गौरतलब है कि अमृतसर पूर्व सीट पंजाब चुनाव में बेहद दिलचस्प हो गई है। बिक्रम सिंह मजीठिया ने सिद्धू की चुनौती को स्वीकार करते हुए इसी सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। कहा यह भी जा रहा है कि मजीठिया को अन्य दलों की ओर से भी अंदरखाने समर्थन किया जा रहा है ताकि सिद्धू को हराया जा सके।

भुलाया जा रहा हिन्दू धर्म पीएम मोदी वोटिंग से पहले बन जाते हैं संत: ममता बनर्जी

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, वे भाजपा सब कुछ नष्ट कर रहे हैं। इतिहास बदल रहे हैं। दलितों, आदिवासियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। मूल हिंदू धर्म को भुलाया जा रहा है, लेकिन जब चुनाव आता है तो वो (पीएम मोदी) 'साधु' बन जाते हैं। वे खुद को 'संत' के रूप में प्रस्तुत करते हैं। इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर उन्होंने कहा उन्होंने दिल्ली में पहले अमर जवान ज्योति को हटाया और नेताजी का होलोग्राम लगाया। अब होलोग्राम भी गायब है। चुनाव आने पर ही उन्हें आइकन का नाम याद रहता है। गौर हो कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी की जयंती के अवसर पर इंडिया गेट पर सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया था। होलोग्राम को तब तक प्लेसहोल्डर के रूप में कार्य करना चाहिए था जब तक कि उसी स्थान पर स्थापित होने वाली ग्रेनाइट की मूर्ति पूरी नहीं हो जाती। कोविड -19 महामारी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने सवाल किया कि पीएम केयर्स फंड में दान के रूप में प्राप्त करोड़ों रुपये का क्या किया गया? ये किसी को नहीं पता। कोविड के कारण इतने लोगों की मौत के बाद आपको कोई शर्म नहीं है। लोग भुगत रहे हैं, रो रहे हैं। कहां है पीएम केयर्स फंड के लाखों और करोड़ रुपये उन्होंने लोगों को जारी किए गए कोविड -19 टीकाकरण प्रमाण पत्र पर पीएम मोदी की तस्वीर का मुद्दा भी उठाया। कहा कि इंजेक्शन लगाने पर मोदी जी की तस्वीर दिख रही है। वह पैसा किसका है समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए आमंत्रित की गई ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा राज्य के लोगों से अपने काम के बारे में झूठ बोल रही है। उन्होंने कहा, ठमैं यूपी गई और देखा कि वे विज्ञापन कर रहे हैं कि उन्होंने 42 लाख घर बनाए हैं। मैंने पूछा 'आपकी आबादी क्या है'? उन्होंने कहा 24 करोड़। बंगाल की आबादी 11 करोड़ है और हमने ज्यादा घर बनाए हैं। वे जो कह रहे हैं वह सब झूठ है ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल में टीएमसी सरकार न केवल नागरिकों से बल्कि शरणार्थियों से भी अपने वादे पूरे करती है। उन्होंने कहा, ठ मैंने अपने जीवन में शरणार्थियों के लिए कई आंदोलन किए हैं। मैंने अपना वचन दिया था कि उन्हें फ्री होल्ड टाइटल मिलेगा। मैंने वह किया है। पिछले साल हमने 7,000 से अधिक भूमि विलेख वितरित किए। किसी को नहीं छोड़ा होगा। मटुआ भी इसी के अंतर्गत आता है। कुल 261 शरणार्थी कॉलोनियों को स्वीकार किया जा रहा है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में गुरुवार को पहले चरण का मतदान चल रहा है। इस चरण में यूपी की 58 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। यूपी में सात चरणों में मतदान होना है। जबकि परिणामों की घोषणा 10 मार्च को की जाएगी।

भारत ने पीओके से गुजरने वाले चीन-पाक आर्थिक गलियारे पर जताई कड़ी आपत्ति

जम्मू (ईएमएस)। चीन और पाकिस्तान की भारत के साथ तनातनी अब आम बात हो चुकी है। चीन और पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता जिसकी वजह से भारत को भी मुंहतोड़ जवाब देना पड़ता है। भारत ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर कड़ी आपत्ति जताई है, जो जम्मू और कश्मीर के अवैध कब्जे वाले हिस्सों में प्रस्तावित है। भारत सरकार ने पाकिस्तान और चीन द्वारा जारी संयुक्त बयान में कश्मीर के मुद्दे पर कही बात को भी खारिज कर दिया है।

कार्टून कोना

राकेश टिकैत का दावा, यूपी में बीजेपी की 140 सीटें आएंगी

-हिंदू बनाम मुस्लिम को मुद्दा बनाकर सीटें बढ़ाना चाहते हैं संघ-बीजेपी

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूपी विधानसभा में पहले चरण की 58 सीटों पर जारी मतदान के बीच भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने बीजेपी-आरएसएस पर हिंदू बनाम मुस्लिम को मुद्दा बनाकर सीटें बढ़ाने का आरोप लगाया है। राकेश टिकैत ने दावा किया कि बीजेपी-आरएसएस की एक आंतरिक रिपोर्ट यह है जो बताती है कि यूपी में कुल 140 सीटें आ रही हैं। अब ये चुनाव को हिंदू बनाम मुस्लिम बनाकर अपनी कुछ सीटें बढ़ाने में लगे हैं। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी को उप्र चुनाव में 140 से 165 के बीच में सीटों पर ही जीत मिलेगी, यह इनकी अपनी रिपोर्ट है। टिकैत ने कहा कि अब बीजेपी यही कोशिश है कि सत्ता हाथ से नहीं जानी चाहिए। यूपी के लोग इनसे नाराज हैं। इस बार बीजेपी को वोट नहीं दे रहे हैं, लेकिन ये गड़बड़ी करने में लगे हुए हैं।

किसान नेता राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर चुनाव को हिंदू मुस्लिम करने के लिए संघ ने दबाव बनाया हुआ है। इसलिए गड़बड़ी की कोशिश में लगे हुए हैं कि बस सत्ता नहीं जानी चाहिए। दरअसल पश्चिमी यूपी में 17 फीसदी जाटों और गुर्जरों की आबादी 4 फीसदी की है। एक साल तक किसान आंदोलन के बाद से जाट वोटर बीजेपी से नाराज बताए जाते रहे हैं। हालांकि बीजेपी ने जाटों और किसानों को अपने पक्ष में करने के लिए कई कोशिशें भी की हैं। उत्तर प्रदेश में सुबह 11 बजे तक मतदान 7.93 फीसदी हुआ। वहीं बुलंदशहर की सात विधानसभा सीटों पर सुबह 11 बजे तक 21.62 फीसदी मतदान हुआ। हापुड़ में 22.8 फीसदी, बागपत में 22 फीसदी, अलीगढ़ में 17 फीसदी मतदान रहा। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के लिए 7 चरणों में चुनाव होंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आज पहले चरण के मतदान के बाद 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च को कराया जाएगा, जबकि मतगणना 10 मार्च को होगी।

जावेद अख्तर बोले- हिजाब-बुर्का का समर्थन नहीं करता पर धमकाने वाले गुंडों की निंदा करता हूं

मुंबई (ईएमएस)। कर्नाटक में हिजाब विवाद पर उठा बवाल अभी शांत नहीं हुआ था कि इस बीच, तेलंगाना से 'बुर्का-विवाद' सामने आ गया है। हर मुद्दे पर अपनी राय देने वाले मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने इस मामले पर अपनी प्रतक्रिया दी है। उन्होंने एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने साफ कहा कि वह इसके समर्थन में नहीं हैं, लेकिन लड़कियों को डराने और धमकाने वालों की निंदा करते हैं। जावेद अख्तर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और अक्सर देश में चल रहे मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रखते हैं। पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के बीच अचानक उठे हिजाब और बुर्का विवाद पर उन्होंने एक ट्वीट कर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने ट्वीट कर लिखा- 'मैं कभी भी हिजाब या बुर्का के पक्ष में नहीं रहा। मैं अब भी उस पर कायम हूं, लेकिन साथ ही मेरे मन में इन गुंडों की भीड़ के लिए गहरी अवमानना के अलावा और कुछ नहीं है, जो लड़कियों के एक छोटे समूह को डराने-धमकाने की असफल कोशिश कर रहे हैं। क्या ये उनके हिसाब से मर्दानगी है। ये अफसोसजनक है।' इस मामले पर अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने भी ट्वीट किया है, उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'कर्नाटक में जो हो रहा है वह अशांति फैला रहा है। झूठ नहीं बोलने वाले छात्रों के बीच धार्मिक जहर की दीवार खड़ी की जा रही है। एक दीवार के आगे पड़ोसी राज्य में जो हो रहा है वह तमिलनाडु में नहीं आना चाहिए। प्रगतिशील ताकतों को अधिक सावधान रहने का समय आ गया है'।

दरअसल, कर्नाटक के कई स्कूल-कॉलेज में हिजाब को लेकर बवाल मचा हुआ है। इसी बीच हाल ही में कर्नाटक के एक कॉलेज का वीडियो सामने आया था, जहां एक लड़की कॉलेज में हिजाब पहनकर आती है। तभी छात्रों की भीड़ लड़की की ओर बढ़ती है। लड़की के सामने 'जय श्री राम' के नारे लगाए जाते हैं तो लड़की भी 'अल्लाहू अकबर' के नारे लगाकर जवाब देती है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

जन हितैषी

वादों की झड़ी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 'संकल्प पत्र 2022' जारी कर दिया। इस संकल्प पत्र में कुल 130 वादे किए गए हैं। वहीं, सपा ने अपने घोषणा पत्र के साथ 22 के लिए 22 संकल्प भी जारी किए हैं। भाजपा के संकल्प पत्र में कांग्रेस के वादे की तरह स्कूटी स्कीम से लेकर समाजवादी पार्टी की तरह किसानों को मुफ्त बिजली का वादा तक शामिल है। समाजवादी पार्टी ने सभी फसलों पर एमएसपी देने का वादा किया है। भाजपा ने भी इसे अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल कर लिया है। समाजवादी पार्टी ने गन्ना किसानों को 15 दिन के अंदर भुगतान करने की बात कही है। भाजपा ने कहा कि 14 दिन के अंदर गन्ना किसानों का भुगतान कराया जाएगा। देरी होने पर चीनी मील की तरफ से किसानों को ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। भाजपा ने भी इसे अपने संकल्प पत्र में शामिल कर लिया है। इसके अलावा भाजपा ने 25,000 करोड़ की लागत के साथ मुख्यमंत्री कृषि सिंचाई योजना शुरू करने का वादा किया है। कांग्रेस ने कॉलेज जाने वाली छात्राओं को मुफ्त स्कूटी देने का वादा किया है। भाजपा ने भी इसे अपने संकल्प पत्र में शामिल कर लिया है। समाजवादी पार्टी ने वृध्दा और विधवा पेंशन को तीन गुना बढ़ाने का वादा किया है। भाजपा ने हर विधवा और निराश्रित महिला को 1500 रुपये प्रति माह का पेंशन देने का वादा किया। कांग्रेस ने हर साल तीन गैस सिलेंडर महिलाओं को मुफ्त देने का वादा किया है। भाजपा ने होली और दीपावली में दो गैस सिलेंडर मुफ्त देने का एलान किया। सपा ने भी साल में दो गैस सिलेंडर मुफ्त देने का वादा किया है। कांग्रेस ने पुलिस में महिलाओं की भर्ती बढ़ाने का वादा किया है। भाजपा ने तीन नई महिला बटालियन शुरू करने का एलान किया। इसके अलावा तीन हजार पिंक पुलिस बूथ बनाने का भी एलान किया। कांग्रेस ने सरकारी भर्तियों में महिलाओं की भागीदारी 25प्रतिशत करने का वादा किया है। भाजपा ने यूपीपीएससी समेत सभी भर्तियों में महिलाओं की संख्या दोगुना करने का एलान कर दिया। सपा ने सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आराक्षण का वादा किया है। कांग्रेस ने महिलाओं को मुफ्त लोन देने का वादा किया। भाजपा ने एक करोड़ महिलाओं को एक लाख रुपये तक का लोन न्यूनतम दर पर देने का एलान कर दिया। भाजपा ने कन्या सुमंगला योजना की राशि 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार करने का एलान कर दिया है। भाजपा ने गरीब बेटियों की शादी के लिए एक लाख रुपये की आर्थिक मदद देने का एलान किया। पांच हजार करोड़ रुपये की लागत से स्वयं सहायता मिशन की शुरुआत का एलान भाजपा ने किया है। कांग्रेस ने 20 लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा किया है। सपा ने सभी सरकारी पदों को भरने का वादा किया है। भाजपा ने कहा कि हर परिवार में कम से कम एक एक को रोजगार या फिर स्वरोजगार का अवसर देंगे। इसके अलावा सभी सरकारी रिक्तियों को भरा जाएगा। सपा और कांग्रेस ने युवाओं को टैबलेट और लैपटॉप देने का वादा किया है। भाजपा ने पिछली बार भी युवाओं को टैबलेट और लैपटॉप दिया था और इस बार भी अपने वादे को शामिल किया है। कांग्रेस ने प्रतियोगी छात्रों से फॉर्म की फीस न लेने का वादा किया है। भाजपा ने प्रतियोगी छात्रों को मुफ्त कोचिंग की व्यवस्था कराने का वादा किया है। सपा ने हर जिले में खेल सुविधाओं को बढ़ाने का वादा किया है। भाजपा ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में जिम व खेल मैदान खोलने का वादा किया है। भाजपा ने एमबीबीएस की सीटों को दोगुना करने का वादा किया है। भाजपा ने छह हजार डॉक्टर और 10 हजार पैरा मेडिकल स्टाफ की भर्ति करने का एलान किया है। कुछ वादे आम हैं, जैसे मुफ्त बिजली, कोविड-19 से राहत और स्मार्टफोन। समाजवादी पार्टी के वादे तो बहुत दिलचस्प माने जा रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तो इस चुनाव में सांडों को भी उतार दिया है। उन्होंने वादा किया है कि सांड से लड़कर दुर्घटना में मौत होने पर सपा सरकार पांच लाख का मुआवजा देगी। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी काफी समय है। लेकिन इस बीच सियासी दल के नेता बड़े-बड़े वादे करने से नहीं चूक रहे हैं। आने वाले समय में भी कई नए-नए वादे सामने आएंगे। इन वादों का जनता पर क्या असर पड़ेगा यह तो विधानसभा के चुनाव परिणाम ही बतायेंगे। लेकिन राजनीति के जानकारों का मानना है कि इन वादों में आने वाले खर्च का बोझ कहीं न कहीं उत्तर प्रदेश की जनता को ही उठाना पड़ेगा।

ईश्वर कराए भक्तों के बीच झगड़े ?

हिजाब को लेकर कर्नाटक में जबर्दस्त खट-पट चल पड़ी है। यदि मुस्लिम लड़कियां हिजाब पहनने को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं तो हिंदू लड़के भगवा दुपट्टा लगाकर नारे जड़ रहे हैं। उन्हें देख-देखकर दलित लड़के नीले गुलूबंद डटाकर नारे लगा रहे हैं। अच्छा है कि वहां समाजवादी नहीं हैं। वरना वे लाल टोपियां लगाकर शोर-शराबा मचाते। समझ में नहीं आता कि शिक्षा-संस्थाओं में सांप्रदायिकता का यह जहर क्यों फैलता जा रहा है? न हिजाब पहनना अपने आप में बुरा है, न भगवा दुपट्टा लपेटना और न ही लाल टोपी लगाना लेकिन यदि आपकी वेशभूषा, खान-पान और भाषा-बोली यदि आपस में बैर करना सिखाती है तो मेरा निवेदन है कि आप उसे तुरंत तज दीजिए। इकबाल ने क्या खूब लिखा था, ''मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिंदी हैं, हम वतन हैं, हिंदोंस्तां हमारा।'' अब मजहबी संकीर्णता और जिद का प्रदर्शन हिजाब, दुपट्टे और टोपी से हो रहा है। कोई इनसे पूछे कि कौनसे धर्मग्रंथ में- वेद में, बाइबिल में, कुरान में, पुराण में, जिंदावस्ता में या त्रिपिटक ग्रंथ– कहां लिखा है कि आप फलां चीज खाएं या न खाएं, फलां कपड़ा पहनें या न पहनें, इस करवट सोएं या उस करवट सोएं? इन सब रोजमर्रा के मुद्दों को धर्म या पंथ या संप्रदाय से जोड़कर खून बहाना कौनसी ईश्वर-भक्ति है? यदि यही ईश्वर भक्ति है तो ऐसा विभाजनकारी और विभेदकारी ईश्वर तो ईश्वर हो ही नहीं सकता। वह जगतपिता कैसा जगतपिता है, जो अपनी बच्चों के बीच ही लड़ाई के बीज बो देता है। सारे मजहब मानते हैं कि ईश्वर एक ही है। कोई उसे गॉड, कोई ईश्वर, कोई अल्लाह, कोई खुदा, कोई यहोवा, कोई अहुरमज्द कहता है। रोजमर्रा की जिंदगी हम किस शैली में गुजारते हैं, इससे उसका क्या लेना-देना है? सारी दुनिया के लोग जो अलग-अलग ढंग के कपड़े पहनते हैं, अलग-अलग ढंग के खाने खाते हैं, अलग-अलग शैली के गाने गाते हैं, वे सब अपने देश-काल से संचालित होते हैं। जो धर्म या पंथ जब और जहां पैदा हुआ है, उस पर उस देश (स्थान) और काल (समय) का असर बना रहता है लेकिन उसे दुनिया के हर स्थान और सैकड़ों वर्षों बाद भी जस का तस अपनाने की बात करना घोर अंधविश्वास के अलावा क्या है? क्या भारत के लोग अब भी राजा दशरथ की तरह तीन पत्नियां और द्रौपदी की तरह पांच पति रख सकते हैं? क्या आप भारत में किसी ऐसे मुसलमान पुरुष को जानते हैं, जिसकी चार-चार पत्नियां हों? क्या आप किसी ऐसे घोर ईश्वरभक्त को जानते हैं, जो कोई आकाशवाणी सुनकर संत इब्राहिम की तरह अपने प्यारे बेटे इजहाक को कुर्बान करने के लिए तैयार हो जाए? हिंदू पुराण-ग्रंथ तो गप्पों की दुकान ही मालूम पड़ते हैं। उनकी कहानियां सुन-सुनकर हम बचपन में आश्चर्यचकित हो जाते थे कि ये भी कोई धर्मग्रंथ हो सकते हैं? मनुष्य जाति का इतिहास बताता है कि मजहबों, पंथों या तथाकथित धर्मों ने जहां करोड़ों मनुष्यों को नैतिकता और मर्यादा का पाठ पढ़ाया है, वहीं उन्होंने राजनीति से भी ज्यादा गंदी भूमिका अदा की है। इसीलिए जरुरी है कि हम मजहब, पंथ, संप्रदाय और धर्म के नाम पर आपस में लड़ने से बाज आएं। जो लोग ईश्वर और अल्लाह के नाम पर खून बहाने को तैयार रहते हैं, वे उस परम शक्ति के अस्तित्व के प्रति अविश्वास पैदा कर देते हैं। वह ईश्वर ही क्या है, जो अपने भक्तों के बीच झगड़े करवाता है? (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

11 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.45 बजे से
चंद्र	वृष में	मीन	08.18 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	09.48 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.28 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	13.27 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	15.40 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	17.56 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	20.08 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	22.19 बजे से
		वृश्चिक	00.33 ब.से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		धनु	02.49 बजे से
		मकर	04.55 बजे से

शुक्रवार 2022 वर्ष का 42 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 13.53 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष अहोरात्र।
योग वैधृति 19.48 बजे को समाप्त।
करण गर 13.53 बजे तदनन्तर वणिज 03.12 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 09.8 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 06'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871156
जूलियन दिन 2459621.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रज्जब **तारीख** 09
विशेष पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पं. दीनदयाल उपाध्याय - एकात्म मानववाद के प्रतिपादक

(पुण्यतिथि पर विशेष)

भारत के सांस्कृतिक अभ्युदय की पवित्र भावना से ओतप्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का दार्शनिक चिंतन वैश्विक कल्याण की विशुद्ध भारतीय परिकल्पना के शाश्वत विचार प्रवाह का वो अमृत कलश है जो समाज के अंतिम छोर पर खड़े शोषित, पीड़ित, निर्धन, निरीह और निराश व्यक्ति के समग्र उत्थान अर्थात अंत्योदय के प्रति समर्पित है। यह महज एक नारा नहीं वरन सर्वत्र मानव समाज का एकात्म रूप में दर्शन का जीवंत विचार है। यह यूरोपीय पुनर्जागरण के मानववाद से परे नए संस्करण में समग्र समाज को एक भिन्न दृष्टि से देखने के कारण नई समाज रचना का गतिशील प्रतिमान प्रस्तुत करता है।

पंडित उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 को धनकिया, राजस्थान में हुआ था। बाल्यावस्था में ही माता पिता के स्नेह से वंचित, अनाथ दीनदयाल का लालन-पालन मामा की देखरेख में हुआ। विषम परिस्थितियों में भी वे प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा अर्जन तक सदैव प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। कानपुर में अध्ययन के दौरान 1937 में उनकी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति रुचि जागृत हुई और संघ के संपर्क ने उनके जीवन की दिशा को बदल दिया। 1942 में उन्हें लखीमपुर का जिला प्रचारक नियुक्त किया गया। मामा जी के आग्रह पर वे प्रशासनिक सेवा परीक्षा में बैठे और उनका चयन भी हुआ लेकिन समाज में अंत्यजनों की दुरावस्था से आहत पंडित दीनदयाल ने सरकारी नौकरी को गुलामी मानकर उसका परित्याग कर दिया। जीवन में संघ की विचारधारा को पूर्णताः आत्मसात कर देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपना खिलता हुआ जीवन पुष्प, भारत माता के श्री चरणों में अर्पित करने का संकल्प धारण कर चल पड़े राष्ट्रभक्ति का अलख जगाने व राष्ट्र के सांस्कृतिक उन्नयन के लिए। उन्हें उत्तर प्रदेश के सह प्रांत प्रचारक का दायित्व मिला। 21 सितंबर 1951 को लखनऊ में विशाल सम्मेलन बुलाकर उत्तर प्रदेश प्रादेशिक जनसंघ की स्थापना की। इसी सम्मेलन में आपने जनसंघ को अखिल भारतीय रूप देने का प्रस्ताव रखा जो सर्वसम्मति से पारित हुआ और 21 अक्टूबर 1951 को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में दिल्ली में भारतीय जनसंघ ने अखिल भारतीय स्वरूप प्राप्त किया। दीनदयाल जी को जनसंघ का महामंत्री घोषित किया गया। आप 15 वर्षों तक भारतीय जन संघ के राजनीतिक रथ का संचालन करते रहे। 1963 में जौनपुर से लोकसभा का उपचुनाव भी लड़ा किंतु पराजित हुए उसके बाद आजीवन लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति में विरोध के लिए विरोध के सख्त विरोधी दीनदयाल जी ने कहा कि सिद्धांत की बलि चढ़ा कर मिलने वाली विजय सच पूछो तो पराजय से भी बुरी है। ऐसी विजय हमें नहीं चाहिए। इस प्रकार राजनीति में रहकर भी उन्होंने सिद्धांत और व्यवहार तथा कथनी और करनी में संतुलित समन्वय की मिसाल कायम की।

राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और व्यक्ति सेवा की भीष्म प्रतिज्ञा लेने वाले आजीवन ब्रह्मचारी पंडित दीनदयाल उच्च कोटि के विचारक, पत्रकार, दार्शनिक, प्रतिभा संपन्न लेखक, सजग राजनीतिज्ञ, निपुण संघटक, प्रभावी वक्ता और सफल आंदोलन कर्ता थे जिनका साहित्यिक जीवन भी अत्यंत गौरवशाली रहा। राष्ट्र धर्म (मासिक), स्वदेश (दैनिक) तथा पांचजन्य (साप्ताहिक) का प्रकाशन उनके मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ। वस्तुतः रचनात्मक लेखनी के धनी पंडित दीनदयाल के लेखन का एकमात्र लक्ष्य भारत की प्रतिष्ठा वृद्धि अर्थात राजनीतिक दृष्टि से सुदृढता, सामाजिक दृष्टि से उन्नति और आर्थिक दृष्टि से समृद्ध राष्ट्र निर्माण रहा।

साधन और साध्य की पवित्रता में अटूट आस्था रखने वाले पंडित जी की सहजता सरलता और सादगी उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान थी। उनके व्यक्तित्व के अनेक ऐसे प्रसंग, संस्मरण हैं जो वर्तमान परिपेक्ष में हमें प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। एक बार की बात है किसी विश्वविद्यालय में चर्चा सत्र के दौरान पंडित दीनदयाल जी ने विदेशों में प्रकाशित नए ग्रंथों के संदर्भ दिए जो उस विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में पहुंचे ही नहीं थे या विश्वविद्यालय के प्रोफेसर भी नहीं जानते थे। उनके विद्वता पूर्ण प्रामाणिक और सारगर्भित भाषण से अभिभूत होकर एक प्रोफेसर ने कहा इस व्यक्ति की केवल वेशभूषा ही साधारण है वरना ये तो यह विद्वानों का विद्वान हैं। इनमें मुझे कहीं शरीर नजर नहीं आता। ऊपर से नीचे तक केवल बुद्धि ही बुद्धि के अलावा और कुछ है ही नहीं। वहीं एक प्रसंग में डॉक्टर मुखर्जी ने कहा कि जैसा मैं चाहता था वैसा ही साथी मुझे मिल गया और मुझे ऐसे दो दीनदयाल और दे दीजिए तो मैं सारे देश का नक्शा बदल दूंगा।

राष्ट्र के सांस्कृतिक उत्थान के लिए संकल्पित दीनदयाल जी का विश्वास था कि यह कार्य हमारे पुरुषार्थ से धर्म का संरक्षण करते हुए संपूर्ण राष्ट्र की संगठित कार्य शक्ति द्वारा ही किया जा सकता है। हमारी राष्ट्रीयता का आधार भारत माता है केवल भारत नहीं। माता शब्द हटा दीजिए तो भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा मात्र रह जाएगा। मानव समाज को समग्रता में देखने का उनका अभिनव चिंतन बौद्धिक दृष्टि से प्रगल्भ, वैचारिक निष्ठा और नैतिक मूल्यों का पक्षधर था। संसार में एकता का दर्शन कर उसके विविध रूपों के बीच परस्पर पूरकता को पहचान कर उनमें परस्पर अनुकूलता का विकास करना तथा उसका संस्कार करना ही संस्कृति है। प्रकृति को ध्येय की सिद्धि के अनुकूल बनाना संस्कृति तथा उसके प्रतिकूल बनाना विकृति है। संस्कृति प्रकृति की अवहेलना नहीं करती। हमारी संस्कृति संपूर्ण जीवन का, संपूर्ण सृष्टि का संकलित विचार करती है। वह समाज जीवन के मूल आधारों के एक्य की बात करती है। इसके विपरीत पश्चिम विश्वास करता है कि जीवन में प्रगति का आधार राज्य और व्यक्ति के मध्य सदैव चलने वाला वर्ग संघर्ष है। पश्चिम के संघर्ष की यह अवधारणा संस्कृति अथवा प्रकृति का नहीं विकृति का द्योतक है। विकृति, प्रकृति एवं संस्कृति को स्पष्ट करते हुए कहते हैं कि छीन कर खाने को विकृति, भूख लगने को प्रकृति और मिल बांट कर खाने को संस्कृति कहते है। आर्थिक चिंतन में वह अर्थायाम शब्द का प्रयोग करते हुए उसे योग के प्राणायाम के संदर्भ में परिभाषित करते हैं। वे कहते हैं जैसे प्राणायाम में हम सांस अंदर खींचते हैं और बाहर निकालते हैं उसी तरह से हमें अर्थायाम में धन प्राप्त करना चाहिए परंतु कर के रूप में एक हिस्सा राष्ट्र को भी देना चाहिए तभी राष्ट्र आर्थिक दृष्टि से उन्नति कर सकेगा। वे उदाहरण देकर स्पष्ट करते हैं कि जैस रक्त एक स्थान पर एकत्र हो जाए तो थक्का बनकर स्वास्थ्य के लिए घातक बन जाता है ऐसे ही अर्थ भी एक ही व्यक्ति के पास बहुत अधिक मात्रा में इकट्ठा हो जाए तो वह सामाजिक स्वास्थ्य को प्रदूषित कर देता है। हमारी सांस्कृतिक चेतना राज्य और व्यक्ति को एक दूसरे का पूरक ही नहीं वरन सर्वांग का एक भाग मानती है। अत: यह नाता संघर्ष का नहीं वरन भाईचारे का है, समन्वय का है, आपसी सद्भाव और मैत्री का है। जैसे ऑक्सीजन हमें वनस्पतियों से मिलती है तथा वनस्पतियों के लिए आवश्यक कार्बन डाइऑक्साइड प्राणी जगत से प्राप्त होती है। इसी परस्पर पूरकता अथवा सहयोग के कारण ही संसार चलता है।

जीवन मैं अनेकता और विविधता होते हुए भी मूलभूत एकता है। वट वृक्ष विराट है। बीज सूक्ष्म हैं। बीज में वृक्ष अपनी संपूर्ण विशालता सहित समाया हुआ है। बीज की एकता ही पेड़ के मूल, तना, शाखाएं, पत्ते और फल के विविध रूपों में प्रकट होती हैं। अर्थात जो सूक्ष्म है वहीं विराट है। जो विराट है वही सूक्ष्म है। अत: सूक्ष्म और विराट में, व्यष्टि एवं समष्टि में तथा मनुष्य एवं समाज में द्वंद नहीं एकात्म भाव है जो जीवन को टुकड़ों में नहीं देखता। वह खंडित दृष्टि नहीं अपितु समग्र दृष्टि प्रदत्त करता है। आत्मीयता और सहानुभूति मानव की आध्यात्मिक चेतना है जो व्यक्ति और समाज के संबंधों में संतुलन स्थापित करती है। यही भारतीयता की उत्तरजीविता का प्राण है। विविधता में एकता अथवा एकता का विविध रूपों में व्यक्तिकरण ही हमारी संस्कृति का केंद्रीय भाव है, विचार है। इसीलिए वह एकात्मवादी है।

दीनदयाल जी ने भारतीय संस्कृति को शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समुच्चय निरूपित किया और मनुष्य के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से व्यष्टि, समष्टि, सृष्टि और परमेष्ठी की कल्पना में धर्म, अर्थ, काम, और मोक्ष के चार पुरुषार्थ का प्रतिपादन किया। धर्म से अर्थ की सिद्धि होती है और अर्थ से काम की पूर्ति होती है। अर्थ, काम, धर्म आधारित होता है तब अंतिम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस प्रकार यह सभी परस्पर विविध होते हुए भी एक दूसरे के पूरक हैं। यही अंतरभूत एकता ही एकात्म मानववाद का प्रकटीकरण है।दीनदयाल जी मानते हैं कि राष्ट्र की भी एक आत्मा होती है जिसे चिति कहा गया है। चिति किसी समाज की वह प्रकृति है जो जन्मजात है। चिति समाज की संस्कृति की दिशा निर्धारित करती है। अर्थात जो चीज चिति के अनुकूल होती है वह संस्कृति में सम्मिलित कर ली जाती। चिति वह मापदंड है जिससे हर वस्तु को मान्य अथवा अमान्य किया जाता है। यही राष्ट्र की आत्मा है। इसी आत्मा के आधार पर राष्ट्र खड़ा होता है और यही आत्मा राष्ट्र के प्रत्येक श्रेष्ठ व्यक्ति के आचरण द्वारा प्रकट होती है।

इस प्रकार पंडित दीनदयाल जी के समग्र चिंतन का फलक बहुआयामी है जिसे शब्दों की परिधि में बांधना बहुत कठिन है। भौतिक सुख-सुविधाओं की चकाचौंध से कोसों दूर समस्त प्रकार की महामाया को तिलांजलि देने वाले निष्काम कर्मयोगी पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का चिर प्रासंगिक दर्शन ही हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है जिसकी रोशनी में हमें सच्चे वैभव युक्त नए भारत की कल्पना को साकार करना है। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय रेलवे स्टेशन पर दीनदयाल जी का मृत शरीर मिलने पर मां भारती के लिए समर्पित समग्र राष्ट्र प्रेमियों में शोक की लहर छा गई। यद्यपि इस घटना का रहस्य आज तक अज्ञात है। अटल जी ने भरे मन से उदगार व्यक्त करते हुए कहा था 'सूर्य चला गया अब हमें तारों के प्रकाश में मार्ग खोजना है।' (लेखक-डॉ अशोक कुमार भार्गव, आईएएस / ईएमएस)

आज का इतिहास 11 फरवरी

1543 इंग्लैंड और रोम के बीच फ्रांस के खिलाफ समझौता हुआ.
1798 फ्रांस ने रोम पर कब्जा किया.
1889 जापान में संविधान लागू हुआ.
1922 चीन को स्वतंत्रता दिलाने के लिए नौ देशों ने वाशिंगटन में एकसं धि पर हस्ताक्षर किए.
1929 लैटर्न संधि के तहत स्वतंत्र बेटिकलन सिटी की स्थापना हुई.
1933 गांधीजी के हरिजन वीकली का प्रकाशन शुरू हुआ था.
1942 प्रसिद्ध समाजसेवी जमनालाल बजाज का निधन.
1963 अमरीका ने इराक की नयी सरकार को मान्यता दी.
1968 दक्षिण वियतनाम में कम्युनिस्ट सैनिकों ने तीन सौ नागरिकों की हत्या कर सामूहिक रूप से दफना दिया.
1986 असंतुष्ट यहूदी अनातोली शरास्की को नौ साल बाद सोवियत जेल से रिहा.
1990 अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के नेता नेल्सन मंडेला को दक्षिण अफ्रीका सरकार ने रिहा किया.
1992 अल्जीरिया में सुरक्षा बलों ने चार मुस्लिम छापामारों की गिरफ्तारी के साथ भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए.
1992 जे.के.एल.एफ की कश्मीर घाटी में प्रवेश की योजना असफल.
1998 ऑपरेशन लीच के तहत अंडमान के एक द्वीप में अंतरराष्ट्रीय गिरोह के 6 सदस्य मारे गए और 74 गिरफ्तार हुए.
2003 हज के दौरान मची भगदड़ में तीन भारतीय सहित 20 लोग मरे.
2005 पाकिस्तान में भारी वर्षा के कारण बांध ढहा, 100 से अधिक मरे.

नफ़रती बयानबाज़ी पर 'भ्रम की स्थिति' स्पष्ट होनी चाहिये

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने पिछले दिनों नफ़रती बयानबाज़ी ' करने वालों के सन्दर्भ में अपनी जो प्रतिक्रिया व्यक्त की पता नहीं कि वह संघ की ओर से जारी कराई गयी आधिकारिक प्रतिक्रिया थी या उनकी अपनी निजी राय। परन्तु इसमें कोई शक नहीं कि उनका बयान अत्यंत सकारात्मक,सराहनीय व प्रशंसनीय था। ग़ौरतलब है कि इंद्रेश कुमार ने गत तीन फ़रवरी को समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए गये एक साक्षात्कार में उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित कथित धर्म संसद तथा छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित इसी प्रकार के अन्य समागम में मुसलमानों के विरुद्ध की गई हिंसा फैलाने वाली भड़काऊ व उकसाऊ भाषणबाज़ी की निंदा करते हुये कहा कि - 'जो भी लोग भड़काऊ बयानबाज़ियां करते हैं उनके विरुद्ध सख़्त क़ानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ना चाहिए कि वह कोई बड़ी शख़्सियत हैं या किसी राजनीतिक दल या समूह से संबंध रखते हैं।' इंद्रेश कुमार ने राजनैतिक दलों और उनके नेताओं को नफ़रत फैलाने और समाज के एक वर्ग को दूसरे वर्ग के विरुद्ध खड़ा करने से बचने का आह्वान किया। इंद्रेश ने ऐसे विभाजनकारी बयान देने वालों को यह भी सलाह दी कि किसी भी समुदाय जाति अथवा समूह के ख़िलाफ़ भड़काऊ व विभाजनकारी टिपण्णी करने के बजाय उन्हें देश व देशवासियों के सर्वोत्तम हित में 'भाईचारे और विकास ' की राजनीति करनी चाहिये। इंद्रेश कुमार ने यह भी कहा कि हर प्रकार की नफ़रती बयानबाज़ी की निंदा की जानी चाहिए तथा इस प्रकार के मामलों में क़ानून के अनुसार सज़ा दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को बांटने की कोशिश करने वाले ऐसे कृत्यों के कारण देश का माहौल ख़राब होता है।

यदि यह इंद्रेश कुमार का व्यक्तिगत बयान है तो उनके विचारों की भरपूर सराहना की जानी चाहिये। और यदि यह संघ की ओर से जारी किया या कराया गया बयान है तो इस बयान के बाद जो 'भ्रम की स्थितियां' उत्पन्न हो रही हैं उन्हें भी स्पष्ट किया जाना ज़रूरी है । उदाहरणतय: सर्वप्रथम तो यह कि यदि हम संघ के मुस्लिम विरोध के दस्तावेज़ी सुबूत की बात करें तो वह हमें संघ के द्वितीय सर संघ चालक माधवराव सदाशिवराव गोलवरकर द्वारा लिखित व 1966 में प्रकाशित पुस्तक 'बंच ऑफ़ थॉट्स' के तीसरे संस्करण में मिल जाता है। इस पुस्तक में उन्होंने भारतीय ईसाइयों को 'ब्लडसकर' अर्थात ख़ून चूसने वाला और मुसलमानों, ईसाइयों और कम्युनिस्टों को देश के लिए आंतरिक ख़तरा बताया है । इसी पुस्तक में वे यह भी स्वीकार करते हैं कि 'उन्हें नाज़ी जर्मनी से प्रेरणा मिली है'। सवाल यह है कि भारतीय जनता पार्टी तथा उसके संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का वैचारिक दृष्टिकोण ही जब समुदाय,समुह अथवा वर्ग विशेष के विरुद्ध नफ़रत पैदा करने व नफ़रत फैलाने वाला हो तो इससे संस्कारित व प्रशिक्षित नेता अथवा कार्यकर्ता स्वयं को नफ़रत फैलाने से भला कैसे दूर रख सकते हैं ? फिर चाहे वह संघ संस्कारित देश के प्रधानमंत्री हों गृह मंत्री किसी राज्य के मुख्यमंत्री या किसी भी छोटे बड़े संवैधानिक अथवा प्रशासनिक पदों पर बैठे लोग ?

इन दिनों उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इसी सिलसिले में देश के गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों कैराना पलायन, राम मंदिर जैसे मुद्दों का दांव चला। देश के गृह मंत्री ने फ़रमाया कि -' कैराना पलायन को याद करके मेरा तो ख़ून खौल उठता है'। दूसरी ओर कैराना के अधिकांश लोगों का कहना है कि यहाँ दंगे फ़साद के कारण न कभी पलायन हुआ न ही यहाँ आपस में कोई मन मुटाव है। परन्तु जिस गृह मंत्री का फ़र्ज़ यह हो कि यदि कहीं किसी भी कारणवश किसी का 'ख़ून खौल' भी रहा हो तो देशहित में उसे शांत करे। बजाये इसके वह स्वयं दशक पुरानी दुर्भाग्यपूर्ण सांप्रदायिक हिंसा की घटना की याद ताज़ा कराये और बहुसंख्य समाज को ऐसे बयानों से भड़काये तो इसे नफ़रती बयानबाज़ी नहीं तो और क्या कहा जाये ? आज तमाम नेता चुनावी वातावरण में महज़ सत्ता और चुनावी जीत के लिये धार्मिक ध्रुवीकरण कराने में लगे हैं। बिकाऊ गोदी मीडिया उनका साथ दे रहा है। मंत्री स्तर के लोग - 'गोली मारो सालों को' जैसे नारे लगा व लगवा रहे हैं। और ऐसे लोगों को 'प्रोन्नति' दी जा रही है ?

और इसी नफ़रती माहौल ने छोटे छोटे बच्चों के भविष्य को ऐसा बर्बाद कर दिया है कि वे अपने शिक्षा व तकनीकी योग्यता का इस्तेमाल अपना कैरियर बनाने व देश का भला करने में नहीं बल्कि धर्म विशेष की लड़कियों व महिलाओं की नीलामी करने वाली ऐप बनाने में कर रहे हैं। यह सब नफ़रती बयानबाज़ियों व टी वी के माध्यम से आम लोगों के ड्राइंग रूम में नफ़रत परोसने का ही परिणाम है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री साफ़ साफ़ कह रहे हैं कि यह चुनाव 80ऱ बनाम 20ऱ के बीच का चुनाव है। इसका क्या अर्थ है? कहा जा रहा है कि यदि विपक्षी सत्ता में आये तो वे राम मंदिर पर बुल्डोज़र चला देंगे। इससे बड़ी नफ़रत भरी बयानबाज़ी और क्या हो सकती है ? कौन है इन नफ़रती बयानबाज़ों के विरुद्ध कार्रवाई करने का साहस दिखाने वाला ?

बहरहाल 'नफ़रती बयानबाज़ी' के उपरोक्त व इन जैसे तमाम उदाहरणों के बावजूद इंद्रेश कुमार का बयान स्वागत योग्य तो ज़रूर कहा जाना चाहियेसाथ साथ नफ़रती बयानबाज़ी पर 'भ्रम' की यह स्थिति भी स्पष्ट होनी चाहिये कि नफ़रती बयानबाज़ी करने के लिये क्या कुछ 'उच्च स्तरीय नेताओं' को पूरी छूट मिली हुई है। और यह भी कि नफ़रती बयानबाज़ी का पैमाना क्या हो और इसे किन के द्वारा और कैसे निर्धारित किया जाये ? परन्तु मैं इंद्रेश कुमार की बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि किसी भी धर्म,जाति,वर्ग अथवा समूह को नफ़रत फैलाने वाली बयानबाज़ी क़तई नहीं करनी चाहिये। एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिये। जो भी ऐसे विभाजनकारी प्रयासों में लिप्त हो उसके विरुद्ध सख़्त क़ानूनी कार्रवाही की जानी चाहिये और जनता को भी चाहिये कि मात्र अपनी सत्ता की ख़ातिर समाज को बाँटने वाले ऐसे नेताओं को वोट देना तो दूर बल्कि उनका बहिष्कार करें। (लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7194

बाएँ से दाएँ
1.दुर्व्यवहार,बुरा आचरण-4
4.पंजाब की एक नदी-4
7.अनाथालय-5
9.दूसरा,पराया-2
11.चलने का तरीका-2
12.नृत्य-2
13.समीप,पास,नजदीक-3
15.बुरी आदत-2
16.नृत्य करना-3
17.प्रलोभन,हवस,तृष्णा-3
18.मालिक,ईश्वर-2
19.निहित,कारण-3
21.भाग्य(अंग्रेजी-2)
23.थूक,लेस-2
24.नवीन,नव-2
25.नयापन,अनूठापन-5
29.नामवाला,नामचिन-4
30.करिश्मा,चमत्कार-4

ऊपर से नीचे
1.मनोरचना,मनगढ़ंत-4
2.कोक,कहवा-2
3.कामदेव की पत्नी-2
4.मित्र,दोस्त-2
5.पेड़ का मध्य भाग-2
6.नादानी,अनाड़ीपन-4
8.बंदर नचाने वाला-3
10.रचना करने वाला-5
11.आरचण,चरित्र-5
13.कपड़े की दिवार-3
14.उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18.पूजा,प्रार्थना-4
20.खूबसुरत,सुन्दर-3
22.कहर,भूचाल-4
25.नया,नवीन-2
26.शूर,बहादुर,सूरमा-2
27.अवधि में,पर्यंत-2
28.मृत,अप्रबल-2

शब्द पहेली -7193 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आईपीएल से अफगानिस्तान सहित 12 देशों के खिलाड़ी बने करोड़पति

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र के लिए आने वाले दिनों में नीलामी होने वाली है। इसमें भारत सहित दुनिया भर के देशों के खिलाड़ी भाग लेते हैं। लीग में भारत के अधिक खिलाड़ियों को मौका मिलता है. पर इसके बाद भी आईपीएल की कमाई से अब तक 12 देशों के खिलाड़ी करोड़पति बन गये हैं। इतना ही नहीं अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने पैसे के मामले में पाकिस्तान के क्रिकेटरों को भी पीछे छोड़ दिया है।

आईपीएल में पाकिस्तान के खिलाड़ियों के प्रवेश पर रोक है। आईपीएल के इस सत्र की ही बात करें तो अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान को गुजरात टाइंटस ने 15 करोड़ रुपए में अपनी टीम से जोड़ा है। राशिद दुनियाभर की टी20 लीग में खेलते हैं। उनके नाम 400 से अधिक विकेट भी हैं। राशिद ने टी20 लीग से अब तक 55 करोड़ रुपए कमाये हैं। नीलामी में अफगानिस्तान के 17 खिलाड़ी शामिल हैं।

आईपीएल की साल 2008 में हुई नीलामी में पाकिस्तान के 11 खिलाड़ी उतरे थे। इसमें पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी से लेकर तेज गेंदबाज शोएब अख्तर तक शामिल थे। उस समय अफरीदी को सबसे ज्यदा 2.70 करोड़ रुपए मिले थे। इसके अलावा मोहम्मद आसिफ, शोएब मलिक, यूनिस खान, उमर गुल, कामरान अकमल, मिस्बाह-उल-हक, मोहम्मद हफीज, सलमान बट और सोहेल तनवीर भी नीलामी में उतरे थे।

धर्मशाला स्टेडियम में 26 व 27 मार्च को खेलगी। भारत-श्रीलंका टी20 मुकाबले

स्टेडियम में दर्शकों को नहीं मिलेगा प्रवेश

धर्मशाला (ईएमएस)। भारत दौरे पर आ रही श्रीलंकाई टीम भारत दो टी20 मैच हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में खेलेगी। इन दोनो ही मैचों में दर्शकों को प्रवेश नहीं मिलेगा। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट (एचपीसीए) के डारेक्टर और बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा कि कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए धर्मशाला में होने वाले यह दोनों ही मैच खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे। साथ ही कहा कि सीरीज के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। इसमें 15 मार्च को एक मात्र मैच धर्मशाला में होने की जगह अब दो मैच 26 व 27 मार्च को खेलें जाएंगे। ऐसे में इन मैचों की तैयारियों के लिए एचपीसीए लग गया है।

इसी के तहत ही धर्मशाला स्टेडियम व पिच को तैयार किया जा रहा है। मैच 15 मार्च की जगह 26-27 को री-शेडयूल होने से 15 दिन पहले मैच होंगे। ऐसे में जो कार्य एचपीसीए व पिच क्यूरेटर को 15 दिन बाद पूरी तरह से तैयार करना था, उसे अभी जल्द से जल्द करना पड़ रहा है। बीसीसीआई के अनुसार टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला लखनऊ में 24 फरवरी को खेला जाएगा, जबकि अगले दो मुकाबले धर्मशाला में 26 व 27 फरवरी का खेले जाएंगे। इसके बाद श्रीलंका टीम इंडिया के साथ दो टेस्ट मैच खेलेगी, जो मोहाली और बंगलूर में आयोजित किए जाएंगे।

श्रीलंकाई टीम के भारत दौरे का कार्यक्रम, टी-20 सीरीज
पहला टी-20 मैच-24 फरवरी, लखनऊ
दूसरा टी-20 मैच-26 फरवरी, धर्मशाला
तीसरा टी-20 मैच-27 फरवरी, धर्मशाला ।

रहाणे, पुजारा सहित चार खिलाड़ियों का करियर समाप्त होने की ओर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम के चार सीनियर खिलाड़ियों का करियर समाप्त होने की ओर बढ़ रहा है। घरेलू जमीन पर श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए इन खिलाड़ियों को जगह मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आती है। ये खिलाड़ी हैं पूर्व उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे , बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा , तेज गेंदबाज इशांत शर्मा और विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'चयनकर्ता कुछ उभरते हुए खिलाड़ियों को आजमाना चाहते हैं। खिलाड़ियों को व्यक्तिगत तौर पर चयनकर्ताओं ने इस बारे में संकेत भी दिये हैं। कोच राहुल द्रविड़ और टीम प्रबंधन से बात के बाद यह तय किय गया है।

रहाणे और पुजारा पिछले 2 साल से टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इन दोनो को ही रणजी ट्रॉफी में खेलकर फॉर्म हासिल करने के लिए कहा गया है। दोनों खिलाड़ी अपनी राज्य टीम से फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट में उतर रहे हैं। यहां उनके प्रदर्शन के आधार पर ही उनका आगे का करियर निर्भर करेगा। वहीं इशांत और साहा की उम्र अब बढ़ती जा रही है। ऐसे में इन दोनो की जगह युवाओं को अवसर मिलना तय है। चयनकर्ताओं को लगता है कि इशांत और साहा दोनों का अच्छा समय बीत गया है। इन दोनो ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर अब इनसे आगे बढ़ने का समय आ गया है।

बीसीसीआई की राष्ट्रीय चयन समिति से कुरुविला का इस्तीफा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सीनियर चयन समिति से एक चयनकर्ता एबे कुरुविला ने इस्तीफा दे दिया है। कुरुविला के इस्तीफे के बाद चेतन शर्मा की अध्यक्षता वाली इस चयन समिति में अब कुल चार सदस्य ही बचे हैं। इसमें चेतन शर्मा के अलावा सुनील जोशी, हरविंदर सिंह और देबाशीष मोहंती शामिल हैं। ऐसे में अब बीसीसीआई का कुरुविला की जगह वेस्ट जोन से एक चयनकर्ता शामिल करना होगा।

पूर्व तेज गेंदबाज कुरुविला को दिसंबर 2020 में वेस्ट जोन से भारतीय टीम का चयनकर्ता चुना गया था। उससे पहले वह जूनियर चयन समिति के प्रमुख भी रहे थे। कुरुविला के अध्यक्ष रहते ही भारतीय अंडर-19 टीम ने उन्मुक्त चंद की कप्तानी में साल 2012 में अंडर 19 विश्व कप का जीता था। इस प्रकार कुरुविला ने चयनसमिति में अपने 5 साल पूरे कर लिए थे। इसलिए उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा है। बोर्ड के नए संविधान के अनुसार कोई भी व्यक्ति पांच साल से ज्यादा समय तक किसी क्रिकेट कमेटी में शामिल नहीं रह सकता। इसी वजह से कुरुविला को इस्तीफा देना पड़ा है। उनके दोनों कार्यकाल मिला दिये जायें तो एक चयनकर्ता के तौर पर उनके 5 साल पूरे हो गए हैं।

बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि कुरुविला का कार्यकाल समाप्त हो गया है। अब बीसीसीआई नए आवेदन मंगाएगी और क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी।

100वें एकदिवसीय मुकाबले में शतक नहीं लगा पाये विराट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपने 100वें एकदिवसीय मुकाबले में भी शतक नहीं लगा पाये है। विराट वेस्टइंडीज के खिलाफ 30 गेंद खेलकर केवल 18 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। वह ओडियन स्मिथ की गेंद पर आउट हुए। इस प्रकार विराट का अपने 71वें अंतरराष्ट्रीय शतक का इंतजार भी बढ़ता जा रहा है। उन्होंने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ ईडन गार्डन्स के मैदान पर लगाया था। यह शतक उन्होंने टेस्ट मैच में लगाया उसके बाद से ही विराट अपने 71वें अंतरराष्ट्रीय शतक के लिए तरस रहे हैं हालांकि इस दौरान उन्होंने कई अर्धशतक लगाये हैं।

विराट ने अभी तक 259 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 43 शतक और 64 अर्धशतकों की सहायता से कुलल 12311 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत करीब 58 का रहा है। घरेलू धरती पर उन्होंने 100 एकदिवसीय मैचों में कुल 5020 रन बनाए हैं जिनमें 19 शतक शामिल हैं। इसके अलावा टेस्ट में उन्होंने 99 मैचों में 27 शतकों की सहायता से कुल 7962 और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 3227 रन बनाये हैं।

आईसीसी रैंकिंग में रोहित तीसरे जबकि विराट दूसरे स्थान पर बरकरार

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के प्रारुप के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। रोहित को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी से अहम रेटिंग अंक हासिल किए हैं। इसके साथ ही उनका पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ रेटिंग अंतर कम हो गया है। विराट अभी भी दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। विराट के 828 रेटिंग अंकों के मुकाबले रोहित के नाम 807 रेटिंग अंक हैं। वहीं पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष स्थान पर कायम हैं जबकि उनके ही साथी खिलाड़ी फखर जमां और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट शीर्ष दस में पहुंच गये हैं। वेस्टइंडीज के शाई होप शीर्ष-10 से बाहर हो गए हैं। दूसरी ओर गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसमें भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 7वें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं ऑलराउंडरों की सूची में भारत के रवींद्र जडेजा आठवें स्थान पर हैं जबकि भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में अर्धशतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर चार स्थान के सुधार के साथ ही शीर्ष 20 में पहुंच गए हैं। बल्लेबाजों की सूची में ओमान के जतिंदर सिंह 26 स्थानों के लाभ के साथ ही शीर्ष 100 में पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी

मुम्बई (ईएमएस)। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया यहां शुक्रवार को तीसरे एकदिवसीय मैच में भी वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज में क्लीन स्वीप करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले दोनो मैच जीतकर सीरीज पहले ही अपने नाम कर ली है। भारतीय टीम ने पहले दोनो मैच आसानी से जीते थे। इस तीसरे मैच में अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन की वापसी होगी। सलामी बल्लेबाज धवन समेत चार खिलाड़ी एकदिवसीय सीरीज शुरू होने से पहले कोरोना संक्रमित होने के कारण नहीं शुरुआती दो मैचों से बाहर थे। अब धवन की वापसी के बाद टीम संयोजन में बदलाव तय है। पहले मैच में ईशान किशन ने रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की जबकि दूसरे मैच में ऋषभ पंत ने रोहित के साथ उतरे थे।

धवन की वापसी के बाद अब उप कप्तान लोकेश राहुल फिर मध्यक्रम में विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी करेंगे। रोहित इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। दूसरे एकदिवसीय में वह बड़ा स्कोर नहीं बना पाये थे। ऋषभ और सूर्यकुमार यादव मध्यक्रम में उतरेंगे। सूर्यकुमार ने पिछले मैच में शानदार अर्धशतक लगाया था और यह सिलसिला वह बनाये रखना चाहेंगे। धवन की वापसी से युवा ऑलराउंडर दीपक हुडा को बाहर बैठना पड़ेगा। धवन की मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी वापसी को सही साबित करना चाहेंगे। भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था और यह सिलसिला वे बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम वेस्टइंडीज इस मैच को जीतकर लय पाना चाहेंगी हालांकि उसके लिए यह आसान नहीं रहेगा। उसके बल्लेबाज इस दौरे में अबतक नाकाम रहे हैं। वहीं गेंदबाज भी अधिक प्रभावी नहीं रहे हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैंः

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), मयंक अग्रवाल, ऋतुराज गायकवाड़, शिखर धवन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, दीपक हुडा, ऋषभ पतं, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान.

वेस्टइंडीजः कायन पोलार्ड (कप्तान), फेबियन एलेन, एनक्रुमाह बोनर, डैरेन ब्रावो, शामार ब्रुक्स, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, अल्जारी जोसफ, ब्रेंडन किंग, निकोलस पूरन, केमार रोच, रोमारियो शेपर्ड, ओडियन स्मिथ, हेडन वाल्श जूनियर।

हिजाब विवाद सुप्रीम कोर्ट लाने संबंधी याचिका पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह हिजाब विवाद संबंधी याचिका को कर्नाटक हाईकोर्ट से अपनी अदालत में स्थानांतरित करने संबंधी याचिका को सूचीबद्ध करने के अनुरोध पर विचार करेगा। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कहा हाईकोर्ट मामले पर सुनवाई कर रहा है और उसे इस पर सुनवाई करके फैसला करने की अनुमति देनी चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मामले की सुनवाई नौ-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा कराने का अनुरोध करते हुए कहा था दिक्कत यह है कि स्कूल और कॉलेज बंद हैं। लड़कियों पर पथराव हो रहा है। यह विवाद पूरे देश में फैल रहा है। सिब्बल ने कहा कि वह मामले पर कोई आदेश नहीं चाहते, केवल यह चाहते हैं कि सुनवाई के लिए याचिका को सूचीबद्ध किया जाए। इसके बाद प्रधान न्यायाधीश ने कहा हम इस पर गौर करेंगे। कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी ने मामले पर गौर करने के लिए बुधवार को एक पूर्ण पीठ का गठन किया था। न्यायमूर्ति अवस्थी, न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित और न्यायमूर्ति जे एम खाजी इस पीठ का हिस्सा हैं।

सैन्य परेड की तैयारी कर रहा उत्तर कोरिया, सैटेलाइट इमेज से मिले संकेत

सियोल (ईएमएस)। उपग्रह की मदद से ली गई तस्वीरों में उत्तर कोरिया की राजधानी में एक प्रशिक्षण मैदान में सैकड़ों लोगों के नजर आने से उसके सैन्य परेड की तैयारी करने के संकेत मिले हैं। उत्तर कोरिया के संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि पांच फरवरी की यह तस्वीरें प्योंगयांग के मिरिम हवाई क्षेत्र से ली गईं हैं, जहां पहले भी सैन्य परेड का पूर्वाभ्यास किया गया था।

इससे उत्तर कोरिया के एक बार फिर सैन्य परेड करने के संकेत मिले हैं। उत्तर कोरिया अक्सर परेड और अन्य प्रदर्शनों के साथ महत्वपूर्ण वर्षगांठों को संबद्ध करता है। वेबसाइट ने कई आगामी अवसरों का उल्लेख किया, जिसमें किम जोंग उन के दिवंगत पिता किम जोंग इल की अगले सप्ताह 80वीं जयंती और अप्रैल में उनके दादा किम इल सुंग की 110वीं जयंती शामिल है।

किम परिवार 1948 में उत्तर कोरिया की स्थापना के बाद से ही देश पर शासन कर रहा है। उत्तर कोरिया ने हालांकि ये जयंती मनाने के लिए किसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाने की कोई घोषणा नहीं की है, लेकिन कई बार उसने इन अवसरों पर भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया है।

हिजाब विवादः कर्नाटक में शांति...मप्र में गर्माया विवाद

उज्जैन में लगाया पोस्टर, भोपाल में बुलेट की एंट्री

- उज्जैन में माहौल बिगाडऩे की कोशिश, गंदे शब्दों में कमेंट, नीचे लिखा- अल्लाह हू अकबर, एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु/भोपाल/उज्जैन (ईएमएस)। कर्नाटक के स्कूल से शुरू हिजाब विवाद का मामला अब देशभर में गरमाता जा रहा है। गुरूवार को इस मामले में कर्नाटक में शांति रही, वहीं मप्र में विवाद गर्माया रहा। उज्जैन में असामाजिक तत्वों ने शहर की फिजा बिगाडऩे की कोशिश की है। गुरुवार सुबह कलेक्ट्रेट के निर्वाचन कार्यालय के बाहर दीवार पर हिजाब को लेकर विवादित पोस्टर चिपका दिया। इसमें गंदे शब्दों में कमेंट किया गया है। नीचे अल्लाह हू अकबर भी लिखा है। वहीं भोपाल में लड़कियों का हिजाब-बर्के में बुलेट और बाइक चलाते वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक बाइक पर बैठी लड़की फ्लाइंग किस भी करती दिख रही है। बुलेट की नंबर प्लेट भाजपा के झंडे के रंग में रंगी दिखाई दे रही है। इस पर अब राजनीति भी शुरु हो गई है। उधर कर्नाटक में जारी हिजाब विवाद को लेकर हाईकोर्ट में लगातार तीसरे दिन सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला आने तक स्कूल-कॉलेज में धार्मिक कपड़े पहनने पर रोक लगा दी है।

उज्जैन में विवादित पोस्टर चिपकाने की जानकारी मिलते ही माधव नगर थाना पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस के मुताबिक पोस्टर बुधवार-गुरुवार की देर रात चिपकाया गया है। पुलिस ने तुरंत पोस्टर जब्त करके अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। विवादित पोस्टर को मॉर्निंग वॉक करने वाले राहगीरों ने देखा। इसके बाद पोस्टर की खबर हर तरफ फैल गई।

हिजाब विवाद के बीच जहां बुधवार को फुटबाल-क्रिकेट खेलने के बाद लड़कियों का हिजाब-बुर्के में बुलेट और बाइक चलाते वीडियो वायरल हो रहा है। 43 सेकंड के वीडियो में भोपाल के वीआईपी रोड पर एक बुलेट और स्पोटर्स बाइक को दो लड़कियां बुर्के और हिजाब पहने चलाते दिख रही है। उनके पीछे दो अन्य लड़कियां भी बुर्का पहने बैठी हुई हैं। बुलेट और बाइक चला रही लड़कियां विकटरी का साइन बनाती है। वीडियो में कुछ देर बाद बाइक पर पीछे बैठी लड़की फ्लाइंग किस देती है। बुलेट की सामने की नंबर प्लेट का रंग भाजपा के झंडे के रंग का है। वहीं वायरल एक अन्य वीडियो में एक बाइक पर 4 लड़कियां बैठी दिख रही हैं, जिसमें पीछे बैठी दो लड़कियां विक्ट्री का साइन बना रही हैं। लड़कियों ने बुर्का पहना है लेकिन हेलमेट नहीं लगाया।

कांग्रेस के प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने कहा है कि इस वीडियो में बुलेट चला रहीं बच्चियों के वाहन की नंबर प्लेट भाजपा के रंग में रंगी है। क्या यह भाजपा प्रायोजित है? अपने राजनैतिक फायदे के लिए भाजपा कुछ भी कर सकती है। भाजपा जवाब दे, ये बच्चियां कौन? सोशल मीडिया पर लड़कियों के हिजाब पहनकर बाइक चलाने के वायरल वीडियो पर गृहमंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि जब भी कभी इस तरह के विषय आते हैं, जो संवेदनशील होते हैं। सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो वायरल होने लगते हैं। यह तो प्रमाणित नहीं होता है कि वीडियो आज का है, कल का है कि परसों का है। उन्होंने कहा कि जब संवेदनशील विषय आए तो सोशल मीडिया पर मर्यादा का पालन करना चाहिए। समाज के सभी वर्गों और हितों का ध्यान रखना चाहिए। गृहमंत्री ने कार्रवाई को लेकर कहा कि यह बहुत गंभीर विषय है। इस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस को लेकर कहा कि कांग्रेस इस तरह के विषयों को जिंदा रखना चाहती है। संवेदनशील विषयों पर राजनीति नहीं करना चाहिए।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह तेजी नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले से आई है। इसके साथ ही दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 460.06 अंक यानी 0.79 फीसदी चढ़कर 58,926 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 142.05 अंक तकरीबन 0.81 फीसदी बढ़कर 17,605.85 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील 2.11 फीसदी बढ़त के साथ सबसे ज्यादा लाभ में रही। इसके अलावा इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और पावरग्रिड के शेयर भी लाभ में रहे। इसके विपरीत मारुति सुजुकी, नेस्ले इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर गिरे हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दर को स्थिर बनाए रखने के आरबीबाई के फैसले के भी बाजार में उत्साह आया। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 5.3 फीसदी और अगले वित्त वर्ष के लिए 4.5 फीसदी रहने की संभावना जताई है। इसके अलावा अगले वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर के 7.8 फीसदी रहने का भी अनुमान जताया है। आरबीआई ने ब्याज दरों में किसी तरह का बदलाव नहीं करते हुए रेपो रेट 4 फीसदी पर बरकरार रखा है। वहीं रिवर्स रेपो रेट भी 3.35 फीसदी पर बना रहेगा।

योगी बोले इस बार चूके तो कश्मीर, बंगाल और केरल बन जाएगा यूपी, जयंत ने प्रति व्यक्ति आय से दिया जवाब

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले फेज की वोटिंग के दिन कश्मीर, बंगाल और केरल पर बहस छिड़ गई है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वोटिंग से ठीक पहले मतदाताओं के लिए जारी वीडियो संदेश में कहा कि यदि आप चूके तो 5 साल की मेहनत पर पानी फिर जाएगा। इस बार उत्तर प्रदेश को कश्मीर, बंगाल और केरल बनने में देर नहीं लगेगी। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) प्रमुख जयंत चौधरी ने इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय की यूपी से तुलना करते हुए सीएम योगी को जवाब दिया है।

जयंत चौधरी ने ट्वीट किया उत्तर प्रदेश के मुकाबले जम्मू-कश्मीर की प्रति व्यक्ति आय दुगने के करीब है, बंगाल का तीन गुना और केरल सात गुना है। गुरुवार सुबह एक वीडियो संदेश में सीएम योगी ने कहा कि उन्होंने सभी फैसले बिना जाति-धर्म और क्षेत्र का भेदभाव करते हुए काम किया। उन्होंने कहा कि वह योगी हैं और उनके भगवे पर कोई 2 पैसे के भ्रष्टाचार के दाग नहीं लगा सकता है। सीएम योगी ने कहा, मुझे सबसे बड़ा संतोष इस बात का है कि आज हमारा यूपी गुंडों, बदमाशों, दंगाइयों, उगाही गिरोहों, पेशेवर अपराधियों और माफियाओं से मुक्त है। पलायन कर गए हिंदू अपने घरों को लौट चुके हैं। उनको धमकाने और प्रताड़ित करने वाले या तो जेल में बंद हैं या सहम कर दुबक गए हैं। पुलिस भी बिना राजनीतिक हस्तक्षेप के काम करती है। कानून व्यवस्था में हमारी बहन बेटियों का भरोसा लौटा है।

योगी ने आगे कहा आप शायद सोच रहे होंगे कि मैं अब मैं आपसे सुरक्षा प्रदान करने के एवज में वोट मांगूगा। अपने निर्दोष नागरिकों को एक भयमुक्त जीवन और सुरक्षित वातावरण देना तो किसी भी सरकार का प्राथमिक धर्म है। आप हमें और किस लिए चुनते हैं। आज मुझे कोई चिंता है तो केवल एक कि जिन दंगाइयों और आताताियियों पर अंकुश लगा है वे सब मचल रहे हैं, आतंकी बार-बार धमका रहे हैं कि सरकार आने दीजिए। सावधान रहिए आप चूके तो 5 साल की मेहनत पर पानी फिर जाएगा और इस बार यूपी को कश्मीर, बंगाल केरल बनने में देर नहीं लगेगी।

अमेरिका में सात पब्लिक हाई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

-स्कूल खाली कराएं नहीं मिला कोई विस्फोटक

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के वॉशिंगटन शहर के सात 'पब्लिक हाई स्कूल' को बुधवार दोपहर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद उन्हें खाली करा लिया गया। हालांकि, कहीं से भी पुलिस को कोई विस्फोटक नहीं मिला। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग (एमपीडी) ने घोषणा की कि सात स्कूलों- डनबर हाई स्कूल, थियोडोर रूजवेल्ट हाई स्कूल, रॉन ब्राउन हाई स्कूल, केआईपीपी डीसी कॉलेज प्रिपरेटरी, आईडिया पब्लिक चार्टर स्कूल, सीड पब्लिक चार्टर स्कूल और मैकिन्ले टेक हाई स्कूल को फोन पर धमकी मिली थी। एमपीडी ने ट्विटर पर बताया कि सभी स्कूलों के छात्रों को बाहर निकाला गया और इमारत की तलाशी ली गई। 'कोई खतरनाक सामग्री नहीं मिली।' इनके अलावा एक अन्य स्कूल 'फ्रेंडशिप पब्लिक चार्टर स्कूल' को भी धमकी मिली, लेकिन वह स्कूल बंद था। इससे एक दिन पहले 'डनबर हाई स्कूल' में 'ब्लैक हिस्ट्री मंथ' कार्यक्रम के दौरान स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कार्यक्रम में आए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पति डग एम्हॉफ को जल्द वहां से बाहर निकाला गया था। एमपीडी ने बताया कि वह संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्रों और विस्फोटक ब्यूरो में 'अपने संघीय भागीदारों की सहायता से इन मामलों की जांच कर रहा है।'

डीसी पब्लिक स्कूलों के चांसलर लुईस फेरेबी ने इन धमकियों को परेशान करने वाली घटनाएं करार दिया और कहा कि इन्हें बहुत गंभीरता से लिया गया है। एक बयान में फेरबी ने कहा, स्कूलों, छात्रों या कर्मचारियों को पेश होने वाले किसी भी खतरे से निपटने के लिए स्कूल प्रणाली एमपीडी के साथ मिलकर काम करेगी।

रिजर्व बैंक ने आपात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नकदी सुविधा की अवधि 30 जून तक बढ़ाई

मुंबई (ईएमएस)। देश के बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरवार को आपात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 50,000 करोड़ रुपये की नकदी सुविधा तीन महीने यानी 30 जून, 2022 तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया। आरबीआई ने पिछले साल मई में तीन साल की अवधि के लिये रेपो दर पर सदा-सुलभ नकदी व्यवस्था की घोषणा की थी। इसका मकसद कोविड-19 संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े बुनियादी ढांचा तथा सेवाओं को मजबूत बनाने के लिये नकदी उपलब्ध कराना था। इस योजना के तहत बैंकों को तेजी से कर्ज देने को लेकर प्रोत्साहित करने के लिये कर्ज को 31 मार्च, 2022 तक प्राथमिक श्रेणी के अंतर्गत रखा गया था। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को विकास और नियामकीय नीतियों पर अपने बयान में कहा, ''योजना को लेकर मिली प्रतिक्रिया को देखते हुए, इसकी अवधि 31 मार्च, 2022 से बढ़ाकर 30 जून, 2022 करने का प्रस्ताव है।'' योजना के अंतर्गत बैंकों से अपेक्षा की गयी है कि वे कोविड-19 कर्ज बही-खाता बनाएंगे। अतिरिक्त प्रोत्साहन के तहत, ऐसे बैंक कोविड-19 कर्ज खाता के बराबर अपनी अधिशेष नकदी आरबीआई के पास रिवर्स रेपो व्यवस्था के तहत रख सकते हैं। यह दर रेपो दर से 0।25 प्रतिशत कम यानी रिवर्स रेपो से 0।4 प्रतिशत अधिक है।

आरबीआई ने कहा कि बैंकों ने चार फरवरी, 2022 तक 9,654 करोड़ रुपये का अपना कोष कोविड-19 संबंधित आपात स्वास्थ्य सेवाओं के तहत दिया है। केंद्रीय बैंक ने संपर्क गहन क्षेत्रों (होटल, पर्यटन आदि) के लिये भी हमेशा सुलभ नकदी व्यवस्था 30 जून, 2022 तक बढ़ा दी है। आरबीआई ने चार जून, 2021 को तीन साल की अवधि के लिये रेपो दर पर 15,000 करोड़ रुपये की अलग नकदी व्यवस्था करने का निर्णय किया था। यह सुविधा संपर्क से जुड़े क्षेत्रों के लिये 31 मार्च, 2022 तक थी। केंद्रीय बैंक ने कहा, ''योजना के प्रति सकारात्मक रुख को देखते हुए इसकी अवधि अब 30 जून, 2022 तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया जाता है।'' बैंकों ने इसके तहत चार फरवरी, 2022 तक संबंधित इकाइयों को 5,041 करोड़ रुपये दिये हैं।

भारत में इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड वाहनों की दिलचस्पी बढ़ीः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में अब उपभोक्ता इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड वाहनों में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। एक वैश्विक ऑटोमोटिव उपभोक्ता अध्ययन रिपोर्ट, 2022 कहती है कि एक-तिहाई से अधिक भारतीय उपभोक्ताओं ने इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड वाहनों के प्रति दिलचस्पी दिखाई है। इसके मुताबिक भारत में पर्यावरण-अनुकूल और महामारी की वजह से टिकाऊ परिवहन साधनों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 59 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ता जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण स्तर और पेट्रोल एवं डीजल वाहनों के उत्सर्जन को लेकर फिक्रमंद हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों में भारतीय उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि का पता चलता है क्योंकि वे उत्सर्जन एवं प्रदूषण में कमी लाने में मददगार होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक हरित प्रौद्योगिकी वाले वाहनों को बढ़ावा देने की घोषणा बजट 2022-23 में भी की गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों की अदला-बदली की सुविधा चार्जिंग स्टेशनों पर देने से इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़ेगा।

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट की अत्याधिक संभावनाएं : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा (ईएमएस)। वैश्विक स्वास्थ्य की निगरानी संस्था (डब्ल्यूएचओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आगाह किया है कि कोरोना वायरस का ओमिक्रोन स्वरूप, इसका अंतिम स्वरूप नहीं होगा और अन्य नए स्वरूप के सामने आने की अत्याधिक संभावना है। डब्ल्यूएचओ के आधिकारिक सोशल मीडिया मंच पर मंगलवार को आयोजित सवाल-जवाब के एक सत्र के दौरान संगठन के कोविड-19 तकनीकी दल की मारिया वान केरखोव ने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी ओमिक्रोन के चार अलग-अलग रूपों पर नजर बनाये हुए है। मारिया ने कहा, हम इस वायरस के बारे में अब काफी कुछ जानते हैं, हालांकि, हम सब कुछ नहीं जानते।

मैं बिल्कुल साफ तौर पर कहूं तो वायरस के ये स्वरूप वाइल्ड कार्ड हैं। ऐसे में हम इस वायरस पर लगातार बारीकी से नजर बनाए हुए हैं, जिस तरह इसमें बदलाव होते हैं और जिस तरह ये रूप बदलता है। हालांकि, इस वायरस में बदलाव की अत्याधिक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ओमिक्रोन, सबसे ताजा चिंताजनक स्वरूप है और ये अंतिम चिंताजनक स्वरूप भी नहीं होगा। ऐसे में हमें एक बार फिर से ना केवल टीकाकरण का दायरा बढ़ाना होगा बल्कि प्रसार की रोकथाम के उपायों का पालन सुनिश्चित करना होगा।

कर्नाटक हिजाब विवाद पर पाक के मंत्री भड़के, कहा 'भयावह है यह'

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत के कर्नाटक राज्य में भड़के हिजाब विवाद की आंच पाकिस्तान तक पहंच गई यहां के कई मंत्री इस विवाद में कूद पड़े हैं। इस बीच पाक विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि मुसलमान लड़कियों को शिक्षा से वंचित करना मौलिक मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हैं। कुरैशी ने ट्वीट किया, 'मुसलमान लड़कियों को शिक्षा से वंचित करना मौलिक मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। किसी को इस मौलिक अधिकार से वंचित करना और हिजाब पहनने पर किसी को आतंकित करना दमनात्मक है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री फवाद हुसैन ने कहा कि भारत में जो चल रहा है वह भयावह है। उन्होंने ट्वीट किया, 'अस्थिर नेतृत्व में भारतीय समाज का तेज गति से पतन हो रहा है। हिजाब पहनना किसी भी अन्य परिधान की तरह व्यक्तिगत इच्छा है, नागरिकों को इसकी आजादी दी जानी चाहिए।'

पाकिस्तान के इन मंत्रियों के ट्वीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारत के केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि किसी भी संस्थान के 'ड्रेस कोड (परिधान नियमावली), डिसिप्लिन (अनुशासन), डेकोरम डिसीज़न (गरिमा बनाए रखने संबंधी निर्णय)' को सांप्रदायिक रंग देना भारत की समावेशी संस्कृति के खिलाफ साजिश है।

नकवी ने यह भी कहा, 'अपने देश में अल्पसंख्यकों पर जुर्म और जुल्म का जंगल बन चुका पाकिस्तान हमें सहिष्णुता और धर्मनिरपेक्षता पर ज्ञान दे रहा है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के सामाजिक-शैक्षिक-धार्मिक अधिकारों को बेदर्दी-बेशर्मी के साथ रौंदा जा रहा है।' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'भारत में मुसलमानों सहित सभी अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा, सम्मान, हिंदुस्तान के संस्कृति-संस्कार-संकल्प का हिस्सा हैं।' इस बीच नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने हिजाब विवाद को 'भयावह' करार दिया और भारतीय नेताओं से 'मुसलमान महिलाओं की उपेक्षा बंद' करने की मांग की।

आरबीआई मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मौद्रिक नीति समीक्षा 2021-22 की मुख्य बातें निम्नलिखत हैं -

* प्रमुख नीतिगत दर रेपो चार प्रतिशत पर लगातार 10वीं बार अपरिवर्तित, रिवर्स रेपो दर 3.35 प्रतिशत पर स्थिर।

* सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 9.2 प्रतिशत के मुकाबले अगले वित्त वर्ष के लिए 7.8 प्रतिशत रहने का अनुमान।

* भारत में दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में अलग तरह से पुनरुद्धार हो रहा है, देश सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगा।

* आरबीआई वृद्धि के पुनरुद्धार के लिए उदार रुख को जारी रखेगा, महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रखा है।

* खुदरा मुद्रास्फीति के चालू वित्त वर्ष में 5.3 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2022-23 में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान।

* मुद्रास्फीति चालू तिमाही में संतोषजनक सीमा के उच्च स्तर पर रहेगी, अगले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से इसमें नरमी आएगी।

* वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम।

* भारतीय रुपए ने मजबूती दिखाई।

* चालू वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के दो प्रतिशत से कम रहेगा।

* स्वास्थ्य सेवा, संपर्क आधारित क्षेत्रों के लिए 50,000 करोड़ रुपये की सदा सुलभ नकदी सुविधा।

* ई रूपे डिजिटल वाउचर की सीमा 10,000 रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए की गई और विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग की अनुमति मिली।

अमेरिका के ब्लैक हॉक हैलीकाप्टर ने बिना पायलट उड़ान भर रचा इतिहास

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर ने पहली बार बिना पायलट के उड़ान भरकर इतिहास रच दिया है। इस टेस्ट फ्लाइट के लिए एक अत्याधुनिक सिस्टम सूट का इस्तेमाल किया गया। इस सिस्टम सूट को मुख्य रूप से हेलीकॉप्टर पायलटों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस टेस्ट फ्लाइट को अमेरिकी वायु सेना की डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी ने लॉकहीड मार्टिन की सहायक कंपनी सिकोरस्की के सहयोग से विशेष रूप से कॉन्फिगर किए गए यूएच-60ए ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर पर किया है। ब्लैक हॉक की यह ऑटोनोमस उड़ान 5 फरवरी को केंटकी में आर्मी के फोर्ट कैंपबेल में लगभग 30 मिनट तक आयोजित की गई। अमेरिका के इस हेलीकॉप्टर की नई ताकत से रूस और चीन की टेंशन बढ़ना तय है।

इसके दो दिन बाद एक और ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को बिना पायलट के उड़ाया गया। लेकिन, इस हेलीकॉप्टर का मालिकाना हक अमेरिकी वायु सेना के पास न होकर सिकोरस्की के पास है। दूसरे परीक्षण के बारे में सिकोरस्की ने कई डिटेल जारी नहीं की है। डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी ने कहा कि उनकी योजना अगले महीने वर्जीनिया के फोर्ट यूस्टिस में इसी प्रणाली से लैस फ्लाई-बाय-वायर यूएच-60एम ब्लैक हॉक की पहली उड़ान का संचालन करने की है। लॉकहीड मार्टिन ने कहा कि इस क्षमता के कारण अब ब्लैक हॉक को अलग-अलग तरह के मिशन में इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस सिस्टम में लगे ऑन-बोर्ड सेंसर हर समय आटो पायलट को रियल टाइम डेटा देता रहता है। सिकोरस्की यूएच-60 ब्लैक हॉक चार-ब्लेड, ट्विन-इंजन, मीडियम लिफ्ट मल्टी यूटिलिटी हेलीकॉप्टर है। इस हेलीकॉप्टर को लॉकहीड मार्टिन की सहयोगी कंपनी सिकोरस्की एयरक्राफ्ट ने बनाया है। सिकोरस्की ने 1972 में पहली बार अपने ब्लैक हॉक एस-70 डिजाइन को अमेरिकी वायु सेना के लिए ऑफर किया था। उस साल अमेरिकी सेना ने एक यूटिलिटी हेलीकॉप्टर के लिए यूटिलिटी टैक्टिकल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट सिस्टम प्रतियोगिता का आयोजन भी किया था।

1976 में ब्लैक हॉक को इस कार्यक्रम के विजेता के रूप में चुना गया था। 1979 में अमेरिकी वायु सेना में प्रवेश के साथ यूएच-60ए हेलीकॉप्टर का नाम प्रसिद्ध अमेरिकी वॉर लीडर ब्लैक हॉक के नाम पर रखा गया। ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल अमेरिका, जापान, कोलंबिया, दक्षिण कोरिया, इजरायल, ब्राजील, चीन, मेक्सिको, फिलीपींस, स्लोवाकिया, स्वीडन, ताइवान और तुर्की की सेना और वायु सेना करती है। इसके अलावा हाल में ही ऑस्ट्रेलिया ने भी ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को खरीदने के लिए अमेरिका के साथ करार किया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि तालिबान के पास भी सीमित संख्या में ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर मौजूद हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी और अफगान फौज की हार के बाद से तालिबान के हाथ कई लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और ट्रांसपोर्ट विमान लगे हैं। कई मौकों पर तालिबान लड़ाकों को ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर उड़ाते हुए दिखाया गया है।

फिलीपींस ने विदेशी यात्रियों पर दो साल से लगा प्रतिबंध हटाया, क्वारेंटाइन रहने की अनिवार्यता भी खत्म की

मनीला (ईएमएस)। फिलीपींस ने कोविड के मामलों में गिरावट के मद्देनजर, विदेशी यात्रियों के देश में प्रवेश पर लगभग दो साल से लगाए गए प्रतिबंध को गुरुवार को हटा लिया। इससे पर्यटन तथा उससे जुड़े उद्योग को संजीवनी मिल सकती है। फिलीपींस के साथ वीजा-मुक्त व्यवस्था वाले 157 देशों के यात्री जो टीके की दोनों खुराक ले चुके हैं, वे फिलीपींस आ सकते हैं और आगमन पर उनके लिए पृथक-वास में रहने की अनिवार्यता नहीं होगी।

देश की सरकार ने जोखिम के वर्गीकरण की व्यवस्था भी खत्म कर दी है, जिसके कारण अधिक संक्रमण वाले देशों से आने वाले यात्रियों पर पाबंदी थी। पर्यटन सचिव बेरना रोमूलो पूयात ने कहा, महामारी के प्रभाव से उबरने में हम नया अध्याय लिखेंगे। उन्होंने कहा सीमा फिर से खुलने से रोजगार के अवसर बहाल होंगे और पर्यटन से जुड़े उद्योग को फायदा होगा।

निजी क्रिप्टोकरेंसी वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा : रिजर्व बैंक गवर्नर

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को निजी क्रिप्टोकरेंसी को लेकर चेताया और कहा कि वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा है और इन मोर्चो पर चुनौतियों से निपटने की उसकी क्षमता इससे कमजोर होती है। साथ ही गवर्नर ने निवेशकों को आगाह करते कहा कि ऐसे एसेट्स में कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है, यहां तक कि एक 'टयूलिप' के बराबर भी नहीं। भारतीय रिजर्व बैंक पहले भी ऐसे एसेट्स पर अपनी चिंता जता चुका है। लेकिन इस बार यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि हाल में आम बजट में ऐसे एसेट्स पर हुए लाभ पर 30 प्रतिशत कर लगाने की बात कही गई है। क्रिप्टो हितधारकों ने इस कदम का स्वागत किया था, क्योंकि इससे उनके व्यापार को 'वैधता' मिलती है।

दास ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''निजी क्रिप्टोकरेंसी या आप इसे जिस नाम से पुकारते हैं, यह हमारी वृहत आर्थिक स्थिरता और वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा है। वे वित्तीय स्थिरता और व्यापक आर्थिक स्थिरता से जुड़े मुद्दों से निपटने की आरबीआई की क्षमता को कमजोर करेंगे।'' उन्होंने कहा कि निवेशकों को सावधान करना उनका कर्तव्य है और उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि वे अपने जोखिम पर निवेश कर रहे हैं। दास ने आगे कहा, ''उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि क्रिप्टोकरेंसी में कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है, यहां तक कि एक टयूलिप के बराबर भी नहीं।'' गौरतलब है कि 17वीं शताब्दी के 'टयूलिप उन्माद' को अक्सर असामान्य रूप से वित्तीय तेजी के एक उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है, जहां किसी चीज की कीमत सट्टेबाजी के कारण बहुत बढ़ जाती है, न कि अंतर्निहित मूल्य के कारण।

सरकार ने ड्रोन के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने कुछ अपवादों के साथ ड्रोन के आयात पर रोक लगा दी। देश में ड्रोन के विनिर्माण को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत यह कदम उठाया गया है। अनुसंधान एवं विकास, रक्षा तथा सुरक्षा के मकसद से ड्रोन के आयात की अनुमति होगी लेकिन इसके लिए भी उपयुक्त मंजूरी की जरूरत होगी। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा ?कि हालांकि ड्रोन के कलपुर्जो के आयात के लिए किसी प्रकार की मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार4 महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने विदेशों में बने ड्रोन के आयात पर पाबंदी को लेकर अधिसूचना जारी की है। नागर विमानन मंत्रालय ने पिछले साल अगस्त में देश में ड्रोन विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उदार नियम जारी किए थे।

अंतरिक्ष का 5 साल चक्कर लगाने के बाद पृथ्वी पर गिरा एलन मस्क का रॉकेट शोले में बदला

मेक्सिको सिटी (ईएमएस)। अंतरिक्ष 5 साल तक चक्कर लगाने के बाद दुनिया के सबसे रईस शख्स एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का रॉकेट अंततः पृथ्वी पर गिर गया। मस्क का यह रॉकेट धरती के वातावरण में आते ही शोले में बदल गया। इस रॉकेट का मलबा लैटिन अमेरिकी देश मेक्सिको में गिरा। इस दौरान आकाश में उल्का पिंडों की बारिश जैसा नजारा देखने को मिला। इस रॉकेट के छोटे-छोटे टुकड़े मेक्सिको के काबो में गिरे। मस्क के रॉकेट फाल्कन 9 को मार्च 2017 में लॉन्च किया गया था। इसने इकोस्टार 23 मिशन को अंतरिक्ष में पहुंचाया था। उस साल स्पेसएक्स ने कुल 18 सैटलाइट लॉन्च किए थे। माना जा रहा है कि शनिवार को रॉकेट का ऊपरी हिस्सा मेक्सिको में गिरा है। इस रॉकेट के गिरने के दौरान ऐसा लग रहा था जैसे उल्कापिंड आकाश से बरस रहे हों।

रॉकेट का मलबा एक लंबी ट्रेन की तरह से आकाश में नजर आ रहा था, जिससे मलबा एक-एक करके अलग हो रहा था। इस नजारे को देखकर लोग हैरान हो गए। हालांकि, एक रॉकेट के विभिन्न स्टेज के लिए वापस धरती के वातावरण में प्रवेश करते समय जल उठना एक सामान्य बात है। विशेषज्ञों ने इस बात की पुष्टि की है कि यह फाल्कन 9 रॉकेट का ऊपरी हिस्सा था, जिसे 5 साल पहले लॉन्च किया गया था। यह रॉकेट काबो के आकाश में करीब 1 मिनट तक जलते हुए दिखाई दिया। मस्क के रॉकेट ने जिस सैटलाइट को अंतरिक्ष में भेजा था, उससे ब्राजील में इंटरनेट और दूरसंचार सेवाएं चलती हैं। यह उपग्रह अभी भी काम कर रहा है और अभी इसके एक दशक तक सेवा में बने रहने की उम्मीद है। एलन मस्क की कंपनी ने अब तक 2000 उपग्रह अंतरिक्ष में छोड़े हैं। एलन मस्क की योजना कुल 42 हजार उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने की है। इन उपग्रहों की मदद से एलन मस्क पूरी दुनिया में इंटरनेट सेवा शुरू करने जा रहे हैं।

देशभर में सिंगल नोडल एजेंसी की पहल करने वाला इकलौता राज्य बना गुजरात

- मुख्यमंत्री ने एसएनए के इलेक्ट्रॉनिक फंड फ्लो एप्लीकेशन के नए मॉडल-2 को किया लॉन्च

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक नई पहल के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को अविलंब और पारदर्शिता के साथ सीधी वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रणाली की गुरुवार को गांधीनगर से शुरुआत की। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत सरकार राज्य को इमरजेंसी कोविड रिस्पॉन्स पैकेज, आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन तथा 15वें वित्त आयोग सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं के तहत वार्षिक लगभग 4,000 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान करती है। राष्ट्रीय बालिका सुरक्षा योजना, टीबी रोग नियंत्रण एवं उपचार की दवाएं तथा अंधत्व एवं दृष्टि दोष निवारण जैसी विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं का भी इसमें समावेश होता है। ऐसी विभिन्न बुनियादी स्वास्थ योजनाओं की सहायता का लाभ नागरिकों को आसानी से उपलब्ध कराने के लिए स्टेट नोडल एजेंसी (एसएनए) के इलेक्ट्रॉनिक फंड फ्लो एप्लीकेशन-2 के पूरे देश में पहली बार अपनाए गए इस मॉडल-2 को मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया। इसके परिणामस्वरूप अब योजनागत लाभ एवं सहायता की राशि एक क्लिक पर सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में पहुंच जाएंगे। आम तौर पर लाभार्थी को जो सहायता मौजूदा समय में लगभग चार-पांच सप्ताह में मिलती है, वह इस नई प्रणाली के चलते अब एक सप्ताह में ही मिल जाएगी। भूपेंद्र पटेल ने स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ सचिवों की उपस्थिति में इस एप्लीकेशन को लॉन्च किया। अपनी तरह के इस नवीनतम मॉडल-2 को लॉन्च करने वाला गुजरात देशभर में इकलौता राज्य है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की विभिन्न बुनियादी स्वास्थ्य योजनागत सहायता नागरिकों को आसानी से मिल सके उसके लिए राज्य द्वारा इस फंड का समुचित आयोजन कर बजट के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाता है। जिसके अनुसार आवंटित की जाने वाली रकम को राज्य सरकार द्वारा अब तक अलग-अलग संस्थानों को उनके अलग-अलग बैंक खातों में भेजा जाता था। इसके परिणामस्वरूप विभागीय, जिला और तहसील स्तर तक अनुदान-सहायता के आवंटन में भी विलंब के कारण लाभार्थी को मिलने वाली सहायता या लाभ को पहुंचाने में काफी समय लग जाता था। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल के दिशानिर्देश में राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के अंतर्गत मिलने वाले फंड के लिए आवंटन और देखरेख के कार्य के उद्देश्य से सिंगल नोडल एजेंसी (एसएनए) के तौर पर स्टेट हेल्थ सोसायटी-गांधीनगर को नियुक्त कर इस इलेक्ट्रॉनिक फंड फ्लो एप्लीकेशन मॉडल-2 की शुरुआत की है। देशभर में एकमात्र गुजरात द्वारा शुरू किए गए इस मॉडल के कारण सभी वित्तीय लेनदेनों की प्रक्रिया सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) पोर्टल पर स्वचालित रूप से संपन्न हो जाएगी। इतना ही नहीं, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को मिलने वाली सहायता के ब्यौरे की रीयल टाइम मॉनिटरिंग भी होगी। राज्य के जरूरतमंद नागरिकों को मिलने पात्र राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लाभ अविलंब और सीधे उनके बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल हस्ताक्षर के जरिए मिलने और पारदर्शिता बढ़ने से 'गुड गवर्नेंस इन हेल्थ सेक्टर' की संकल्पना साकार होगी।

शिल्प और शिवालिक ग्रुप के 25 स्थानों पर आयकर विभाग की रेड

अहमदाबाद (ईएमएस) मार्च महीना निकट आते ही आयकर विभाग हरकत में आ गया है ताबड़तोड़ कार्यवाही शुरू कर दी है। अहमदाबाद में पिछले दो दिनों से अनेक आर्किटेक्चर और बिल्डर ग्रुपों पर आयकर विभाग रेड कर रहा है। इस कड़ी में आज शिल्प और शिवालिक समूह के 25 से ज्यादा स्थानों पर आयकर विभाग ने एक साथ छापा मारा। गुरुवार की सुबह से आयकर विभाग की टीमों ने बिल्डर के घर और दफ्तरों ने कार्यवाही शुरू कर दी। शिल्प ग्रुप के यश ब्रह्मभट्ट और शिवालिक ग्रुप के चित्रक शाह के घर और दफ्तरों में आयकर विभाग की टीमें कार्यवाही कर रही है। इसके अलावा ब्रोकर दीपक निम्बार्के के शारदा ग्रुप और ब्रोकर केतन शाह के यहां भी आयकर विभाग ने रेड की है।

गुजरात के 19 शहरों को रात्रि कर्फ्यू से मुक्ति, 8 महानगरों में रात 12 से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना संक्रमण लगातार घट रहा है, जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने रात्रि कर्फ्यू समेत कई नियमों में ढील दी है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में आज हुई कोर समिति की बैठक में कोरोना की स्थिति की समीक्षा के बाद कई पाबंदियों में ढील देने का फैसला किया गया है। कोर समिति की बैठक में किए गए फैसे के मुताबिक 11 फरवरी से राज्य के अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, भावनगर और गांधीनगर समेत 8 महानगरों में रात्रि कर्फ्यू में 3 घंटे की ढील दी गई है। इन 8 महानगरों में 11 फरवरी से रात 12 से बजे सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू रहेगा। जबकि राज्य के अन्य 19 शहरों को रात्रि कर्फ्यू से मुक्ति दी गई है। वहीं सिनेमा होल, जीम, वोटर पार्क 50 प्रतिशत क्षमता के साथ चालू रखे जा सकेंगे। कक्षा 9 से पोस्ट ग्रेज्युएट तक के कोचिंग क्लास 50 प्रतिशत क्षमता के साथ शिक्षा कार्य कर सकेंगे। राज्यभर में दुकानें, कॉमर्शियल संस्थान, रेहडी-पटरी, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मार्केटिंग यार्ड, स्पा-सलून, ब्यूटी पार्लर समेत अन्य व्यापारिक गतिविधियां रात 11 बजे तक खुली रखी जा सकेंगे। होटल-रेस्टोरंट 75 प्रतिशत क्षमता के चालू रहेंगे। साथ ही होटल-रेस्टोरंट 24 घंटे होम डिलीवरी कर सकेंगे। वहीं राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में खुली जगह में अधिकतम 150 लोगों और बंद स्थलों पर 50 प्रतिशत क्षमता में लोग शामिल हो सकेंगे। खुले में शादी समारोह में 300 लोगों को और बंद जगहों पर 50 प्रतिशत क्षमता की छूट दी गई है। जबकि अंतिम संस्कार में अधिकतम 100 शामिल हो सकेंगे। सार्वजनिक उद्यान इत्यादि रात 11 बजे तक खुले रहेंगे।

ट्रक के पीछे टकराई तेज रफ्तार कार, दो युवकों की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के रामोल क्षेत्र में बुधवार की रात करीब दो बजे ट्रक के पीछे एक तेज रफ्तार कार घुस गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 2 युवकों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे युवकों को बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के रामोल क्षेत्र के जामफलवाडी कैनाल के निकट खड़े ट्रक के पीछे एक कार तेज धमाके के साथ टकरा गई। रात करीब दो बजे हुए इस हादसे के बाद आसपास के लोग घटनास्थ पर पहुंच गए और एम्ब्युलैंस 108 की घटना की जानकारी दी। ट्रक और कार के बीच भिडंत इतनी जबर्दस्त थी कि कार के चीथड़े उड़ गए और उसमें सवार पांच युवक बुरी तरह फंस गए। जिन्हें बाहर निकालने के लिए फायर ब्रिगेड की मदद ली गई। फायर विभाग के जवानों ने हाइड्रोलिक कटर ब्रेकर और कोम्बी टूल की मदद से कार के सभी दरवाजे काटकर उसमें फंसे युवकों को बाहर निकाला। गंभीर हालत में पांचों युवकों को तुरंत अस्पताल पहुंचा गया। जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गुजरात में कोरोना के दैनिक केसों के साथ ही मृत्यु के मामले भी घटे, 24 घंटों में 2275 केस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना की तीसरी लहर खत्म होने की ओर बढ़ रही है। राज्य में कोरोना के दैनिक केसों के साथ ही मृत्यु के मामलों में भी कमी आई है। गुरुवार को राज्यभर में कोरोना के 2275 नए मामले सामने आए, वहीं 8172 लोगों को डिस्चार्ज किया गया। इस दौरान 21 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। कोरोना से स्वस्थ होने का दर राज्य में 97.34 प्रतिशत पर पहुंच गया है। दूसरी ओर राज्य में वैक्सीनेशन अभियान के तहत आज 1.66 लाख से अधिक लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। राज्य में फिलहाल कोरोना के 21437 केस हैं, जिसमें 143 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 21294 स्टेबल है। जबकि 1178289 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं राज्य में पिछले 24 घंटों में 21 मौतों के साथ कोरोना अब तक 10761 मरीजों को निगल चुका है। पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 700, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 292, वडोदरा में 99, मेहसाणा में 96, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 91, बनासकांठा में 90, राजकोट कॉर्पोरेशन में 84, सूरत में 78, सूरत कॉर्पोरेशन में 72, गांधीनगर में 52, पाटन में 52, तापी में 47, राजकोट में 45, साबरकांठा में 45, आणंद में 42, कच्छ में 31, खेडा में 28, भरुच में 26, भावनगर कॉर्पोरेशन में 26, नवसारी में 24, पंचमहल में 24, अमरेली में 23, अरवल्ली में 21, जामनगर कॉर्पोरेशन में 20, दाहोद में 19, अहमदाबाद में 17, मोरबी में 17, छोटाउदेपुर में 15, देवभूमि द्वारका में 14, महीसागर में 13, जामनगर में 12, सुरेन्द्रनगर में 11, डांग में 9, वलसाड में 8, गिर सोमनाथ में 7, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 7, नर्मदा में 7, भावनगर में 5, जूनागढ़ में 4, बोटाद में 1 और पोरबंदर में कोरोना का एक केस दर्ज हुए। दूसरी ओर राज्य में टीकाकरण अभियान भी मजबूती के साथ चलाया जा रहा है। गुरुवार को राज्य में 166610 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें 19 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को 31 को पहला डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 2881 को पहला और 13033 कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 13116 को पहली और 37544 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई। वहीं 15 से 18 वर्षीय 11564 को पहला और 55906 किशोरों को दूसरा टीका लगाया गया। जबकि 32516 लोगों को प्रिकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 10 करोड़ 05 लाख 10 हजार 421 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

सरकार के आगे क्यों नरम हो जाता है प्रशासन

सचिवालय सहित की इमारतों का ३६ करोड़ रुपये का टेक्स बाकी

नागरिकों पर सख्त रवैया अपनाता प्रशासन

सरकार से आखिर क्यों टैक्स नहीं वसूल सकता है

गांधीनगर, १० फरवरी।

राज्य के नागरिकों से टैक्स वसूलने का हो तब प्रशासन कई सतर्कता बरतता है, लेकिन सरकार से टैक्स वसूलने के मामले में प्रशासन की उदासीनता सामने आई है।

प्रशासन द्वारा नागरिकों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने के लिए कड़े कदम उठाये जाते है, लेकिन सरकारी इमारतों से टैक्स के पैसे लेने के मामले में प्रशासन नरम हो जाता है। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, गांधीनगर में स्थित सरकारी मकानों और सचिवालय सहित की इमारतों के लिए वर्षों से प्रॉपर्टी टैक्स नहीं चुकाया गया है। उल्लेखनीय है कि, सरकारी इमारतों से ३६ करोड़ रुपये प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने का बाकी होने पर भी गांधीनगर म्युनिसिपल तंत्र द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गांधीनगर में २० हजार से ज्यादा सरकारी मकान है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, यह सरकारी मकानों से १३००० के लिए संपत्ति टैक्स नहीं चुकाया गया। वर्षों के बाकी यह टैक्स की वजह प्रशासन ने सरकारी क्वार्टर्स से १५ करोड़ रुपये वसूलने के बाकी है। उल्लेखनीय है कि जुना सचिवालय के तौर पर जाना जाता जीवराज मेहता भवन में मेहता भवन में कई विभागों की कमिशनर स्तर की कई ऑफिस स्थित है। जुना सचिवाय परिसर का चार करोड़ रुपया टैक्स अभी नहीं चुकाया गया है। सरदार भवन के तौर पर जाना जाता नये सचिवालय में सरकार के प्रत्येक विभाग की ऑफिस स्थित है। नये सचिवालय परिसर का १२ करोड़ टैक्स बाकी है। इसके अलावा मार्ग और मकान विभाग के तहत की विभिन्न संपत्तियों का ३ करोड़ रुपया टैक्स बाकी है। उल्लेखनीय है कि राजभवन, मंत्री निवास के ४० यूनिट तथा हेलिपेट डोम द्वारा ११ करोड़ टैक्स बाकी था। म्युनिसिपिल प्रशासन द्वारा कार्रवाई शुरू की गई तो पैसा चुकाया गया लेकिन अभी ३.५० करोड़ टैक्स वसूलने का बाकी है

१३ बोट सहित ७८ भारतीय मछुआरे अगवा

गुजरात में बीएसएफ ने जब्त की ११ पाकिस्तानी नौकाएं

अहमदाबाद, १० फरवरी।

पाकिस्तान मरीन एजेंसी ने अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा से १३ भारतीय बोट कब्जे में कर ७८ भारतीयों मछुआरों का अपहरण कर लिया है।

इस बीच बीएसएफ ने गुजरात में पाकिस्तान की ११ नौकाओं को जब्त किया है। उधर, गीरसोमनाथ के गांव में मछुआरा समुदाय की बैठक हुई, जिसमें पाकिस्तानी जेलों में बंद गुजरात के डेढ़ सौ मछुआरों को वापस लाने तथा जेल में उनकी सुविधाओं का ध्यान रखने पर चर्चा की गई। अरब सागर में भारतीय व पाकिस्तानी अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा के पास मछली पकड़ने के लिए पहुंचे गुजरात के मुछुआरों को अक्सर पाकिस्तान की मरीन एजेंसी अपहृत कर ले जाती है। ऐसी ही एक घटना बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा के १० किलोमीटर इलाके में हुई। पाकिस्तान मरीन एजेंसी पिछले २४ घंटे में १३ भारतीय बोट तथा ७८ मछुआरों का अपहरण कर लिया है। भारतीय मछुआरों के साथ पाकिस्तानी एजेंसी की बातचीत का एक ऑडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें पार्क मरीन अधिकारी भारतीय मछुआरो को अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा से चले जाने का निर्देश देते सुने जा सकते हैं। जल सीमा पर मछली पकड़ने के लिए पहुंचे मछुआरों का बाद में पाकिस्तानी मरीन एजेंसी अपहरण कर ले जाती है। गुजरात से लगती पाकिस्तानी जल सीमा से अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं। पाकिस्तान मरीन एजेंसी ने अंतर्राष्ट्रीय जल सीमा से पहले तीन भारतीय बोट तथा १८ मछुआरों का अपहरण किया। इसके बाद १० बोट और ६० मछुआरों का अपहरण कर लिया गया। अधिकतर बोट तथा मछुआरे पोरबंदर ओखा के बताए जा रहे हैं। गिर सोमनाथ में बुधवार को नाना वाडा गांव में मछुआरों के परिवारों की एक बैठक हुई। इसमें पाकिस्तानी जेलों में बंद भारतीय मछुआरों को रिहा करा कर भारत लाए जाने तथा पाकिस्तान की जेलों में बंद करीब डेढ़ सौ मछुआरों को जेल में मिलने वाली सुविधाओं को बढ़ाने की मांग की गई।

पति को स्वस्थ कर देने का कहा था

वीजा के बहाने महिला से तांत्रिक ने २७ लाख लूट लिया

अहमदाबाद, १० फरवरी।

गांधीनगर के निवासी ने म्युकरमाइकोसिस की उपचार के दौरान मौत हुई एक व्यक्ति के परिवार के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज की थी, जिन्होंने अपने पति को इसकी बीमारी का इलाज करने का तथा उनके बच्चों को कनाडा वीजा दिलाने का कहकर पैसा हड़प लिया था और वादा नहीं निभाया। रांदेसरण की वेली सोसाइटी में रहती ४६ वर्षीय उषा सोनी ने दोनों हेतुसर आरोपी कांती परमार को २७ लाख रुपया दिया था। इन्फोसिटी पुलिस के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायत में उसने कहा कि २०१९ में गांधीनगर के एक मंदिर में इसकी मुलाकात परमार के साथ हुई थी। परमार ने अपनी पहचान तांत्रिक के तौर पर बताई थी।

महिला ने इसने अपना पति २०११ में दुर्घटना होने के बाद बिस्तर में होने का बताया था। परमार ने महिला को कई विधी से पूरे तरीके से उनके पति को स्वस्थ कर देने की बात कही थी। कांती परमार बाद में पति के उपचार के बहाने कई बार महिला के घर पर गया था। अगस्त २०१९ में, महिला ने परमार को इसके दोनों बच्चे उर्वी और जेनिल को आगे की पढ़ाई के लिए कनाडा भेजने चाहते होने का बताया। यह सुनकर उसने यह वीजा एजेंट भी होने का और यदि वह २७ लाख रुपया दे तो मदद कर सकते है यह बताया था। कांती परमार ने बेटा जीगर परमार और पत्नी शेल्वी का परिचय उषा सोनी के साथ कराया था और वीजा संबंधित काम में दोनों मदद करते होने का बताया था। विश्वास होने के बाद महिला ने अक्टूबर २०१९ से मार्च २०२० के बीच हप्ता में परमार को २७ लाख रुपया दिया था। हालांकि कोविड -१९ महामारी फैलने से, उषा ने परमार को वीजा की प्रक्रिया रोकने के लिए और पैसा वापस करने के लिए कहा था। लेकिन परमार ने पैसा जरूरतमंद व्यक्ति को दिए जाने से वापस दे सके ऐसा नहीं होने का महिला को बताया था।

कोरोना संक्रमित कांग्रेस विधायक की हालत गंभीर, उपचार के लिए चेन्नई भेजा गया

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस विधायक डॉ. अनिल जोशियारा करीब एक महीने से कोरोना संक्रमित हैं, जिनका अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में इलाज चल रहा था। पिछले 10 दिनों से वेन्टीलेटर पर उपचाराधीन डॉ. जोशियारा के फेफड़े काम नहीं कर रहे। डॉ. जोशियारा की गंभीर हालत के चलते उन्हें एयर एम्ब्युलैंस के जरिए चेन्नई ले जाया गया। बता दें कि डॉ. अनिल जोशियारा उत्तरी गुजरात की भिलोडा सीट से विधायक हैं, जो लगातार चार दफा चुनाव जीतते आए हैं। 1995 से 1997 तक गुजरात सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे डॉ. जोशियारा 1998 के विधानसभा चुनाव में उपेन्द्र त्रिवेदी के खिलाफ हार गए थे। जिसके बाद 1998 से 2002 तक गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के बतौर सचिव काम किया। वर्ष 2002, 2007, 2012 और 2017 तक डॉ. जोशियारा ने लगातार चार चुनाव जीता है।

कांग्रेस ने रिवरफ्रंट पर बने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का किया उदघाटन, 5 महीने से धूल खा रहा था

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के साबरमती रिवरफ्रंट पर 27 करोड़ की लागत से बने स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स का महानगर पालिका में विपक्ष के नेता शहजादखान पठान ने आज उदघाटन कर दिया। स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स पांच महीने पहले ही तैयार हो गया था और उदघाटन की प्रतीक्षा कर रहा था। अहमदाबाद महानगर पालिका ने रु. 27 करोड़ के खर्च से साबरमती रिवरफ्रंट पर स्पोट्र्स का निर्माण करवाया है। 45 हजार वर्ग मीटर में तैयार स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स में 4 क्रिकेट पिच, 5 टेनिस कोर्ट, 4 मल्टीपल स्पोट्र्स कोर्ट, स्केटिंग रिंग, स्केट बोर्डिंग, 800 मीटर जॉगिंग ट्रेक, इंटरनल रोड और पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के मुताबिक करोड़ों की लागत से तैयार स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स उदघाटन के अभाव में पिछले 5 महीने से धूल चाट रहा था। अहमदाबाद महानगर पालिका में विपक्ष के नेता शहजादखान पठान ने स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स का न सिर्फ उदघाटन किया, बल्कि उनके साथ आए युवाकों के साथ वहां एक्सरसाइज भी की। मीडिया से बातचीत में पठान ने कहा कि करोड़ों रुपए के खर्च से स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स पांच महीने पहले ही बनकर तैयार हो गया था। लेकिन भाजपा के वीआईपी नेताओं के पास समय नहीं होने के कारण स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स धूल चाट रहा था। सरकार फिट इंडिया की बड़ी बड़ी बातें करती है, लेकिन फिट रहने के लिए तैयार स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स के लोकार्पण का समय नहीं है। शहजाद पठान ने कहा कि भाजपा नेताओं के समय नहीं होने के कारण आज युवाओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स का मैंने आज उदघाटन कर दिया।

डीगुचा के परिवार के मौत का केस

मानव तस्करी करके विदेश भेजते एजेंटों को गिरफ्तार करने की कवायद

मानव तस्करी का नेटवर्क पकड़ने के लिए यूएस-कनाडा की एजेंसियां और यहां की सीआईडी के साथ मिलकर कार्यरत

अहमदाबाद, १० फरवरी।

जनवरी महीने में यूएस-कनाडा की सीमा पर गुजराती परिवार के चार सदस्यों के मौत का मामला सामने आया था। यह परिवार कनाडा होकर अवैध तरीके से अमेरिका में प्रवेश करने का था। लेकिन वह बॉर्डर क्रॉस कर सके इसके पहले ही माइनस ३५ डिग्री ठंडी में ठिठुर जाने की वजह से पति-पत्नी और उनके दो बच्चों की मौत हुई थी। इस घटना का असर गुजरात सहित अमेरिका -कनाडा में भी हुआ था। यह मामले में गुजरात पुलिस भी जांच कर रही है तब वह राज्य में मानव तस्करी के नेटवर्क को पकड़ने के लिए विस्तृत जांच करेगी। पहले सीआईडी क्राइम द्वारा स्थानीय स्तर पर यूएस-कनाडा की सीमा पर मर गये परिवार के केस की जांच शुरू की थी। जबकि यूएस और कनाडा की एजेंसियां अपने तरीके से जांच की थी। सीआईडी (क्राइम) के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यूएस और कनाडा के कोन्स्युलेट जनरल के अधिकारियों ने मंगलवार को एजेंसी की महिला और बाल सुरक्षा विभाग के प्रमुख अनिल प्रथम को फोन किया था। उन्होंने मूल डीगुचा के और यूएस -कनाडा की सीमा पर मर गये चार लोगों के केस मामले में महत्व की जानकारी दी थी। उल्लेखनीय है कि, ३५ वर्षीय जगदीश पटेल, ३३ वर्षीय पत्नी वैशाली, १२ वर्ष की बेटी विहांगना और ३ वर्ष का बेटा धार्मिक के ठिठुर जाने की वजह से १९ जनवरी को कनाडा-यूएस बॉर्डर पर मौत हुई थी। गत रविवार को यह चारों की कनाडा के मेनिटोबा में अंतिम संस्कार किया गया था। मारे गये यह परिवार गांधीनगर जिले के कलोल तहसील के नया डीगुचा गांव का निवासी था। अब मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह चारों को भारतीयों के एक बड़े समुदाय से अलग कर दिया गया था। बाकी का ग्रुप सीमा पार करके अमेरिका पहुंच गया जबकि माइनस ३५ डिग्री तापमान में ठिठुर जाने की वजह से डीगुचा के यह चार सदस्यों की मौत हुई थी। अमेरिका से सिर्फ ३० फीट दूर कनाडा की सीमा पर यह पटेल परिवार के शव मिले थे।

अहमदाबाद के ब्लास्ट केस मामले में

जेल में बंद ५३ आरोपियों में २१ निर्दोष पर पांच ही हो पाएंगे रिहा

अहमदाबाद, १० फरवरी।

सिलसिलेवार बम धमाका मामलों में अहमदाबाद की साबरमती जेल में बंद ५३ आरोपियों में से २१ को विशेष अदालत ने भले निर्दोष छोड़ दिया लेकिन इनमें से जेल से बाहर ५ ही आ सकेंगे, अन्यों पर साबरमती जेल में सुरंग खोदने का मामला चल रहा है। सुरंग मामले में तत्कालीन जेल अधीक्षक, ३ जेलर व अन्य ५ पुलिसकर्मियों पर भी केस दर्ज किया गया था। अहमदाबाद के बम धमाका मामले में गिरफ्तार किए गए ५३ आरोपियों को साबरमती जेल में रखा गया था। फरवरी २०१३ में इन आरोपियों में से दो दर्जन ने अन्य कई कैदियों के साथ मिलकर जेल के बैरक नंबर १४ से २१३ फीट लंबी सुरंग खोदकर जेल से भागने का प्रयास किया लेकिन साजिश समय से पहले उजागर हो गई। बम धमाकों में विशेष अदालत ने २१ को बरी कर दिया लेकिन इनमें से ५ ही जेल से बाहर आ सकेंगे। अन्यों के खिलाफ जेल में सुरंग खोदने तथा साजिश में शामिल होने का मामला चल रहा है। इस मामले में तत्कालीन जेल अधीक्षक आर जे पारगी, ३ जेलर तथा ५ अन्य पुलिसकर्मियों पर भी काम में लापरवाही, सबूतों से छेड़छाड़ तथा गलत बयानी करने के लिए मामला विचाराधीन है।

बम धमाका मामलों के ७७ में से ४९ को दोषी तथा २८ को निर्दोष माना है। साबरमती जेल में बंद ५३ में से ३२ दोषी पाये गये हैं जबकि २१ को सबूतों के अभाव में निर्दोष छोड़ा गया है। कर्नाटक की बंगलुरु की जेल में ५, मध्यप्रदेश की भोपाल जेल में १०, महाराष्ट्र तलोजा में ४, राजस्थान जयपुर में २, केरल की वैयूर में २, बिहार गया जेल में एक कैदी बंद है।

वरवाजा और चचेरे भाई की मौत

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत हुई

मामा-बुआ के दोनों भाई शादी की कंकोत्री बांटकर देर रात को वापस अपने घर मावल जा रहे थे

पालनपुर, १० फरवरी।

आबूरोड के चंद्रावती ब्रिज पर अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत हुई है। मावल गांव के युवक शंकरभाई हरजी रबारी (उम्र.२२) शादी होने से मंगलवार को बुआ के बेटे थाना राम रबारी (निवासी ओर तहसील आबूरोड) के साथ बाइक पर चंद्रावती गांव में शादी की कंकोत्री देने के लिए आये थे। जबकि वह वापस जा रहे थे उस समय में आबूरोड के चंद्रावती ब्रिज पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक पर जा रहे दोनों चचेरे भाईयों की मौत हुई थी।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, आबूरोड तहसील के मावल गांव के निवासी शंकरभाई हरजीजी रबारी बाइक लेकर मंगलवार को अपनी बुआ के बेटे थानाराम रबारी के साथ शादी की कंकोत्री बांटकर देर रात को अपने घर मावल जा रहे थे। इस दौरान आबूरोड के चंद्रावती ब्रिज पर पीछे से आये अज्ञात वाहन ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। जिसमें मामा-बुआ के दोनों भाईयों की घटनास्थल पर ही मौत हुई थी। मृतक भावि दुल्हा शंकर रबारी ब्रिज के नीचे गिर गये। जबकि थानाराम का शव ब्रिज पर लटका हुआ मिला। यह भीषण दुर्घटना की वजह से स्थानीय लोगों की भीड़ घटना स्थल पर इकट्ठा हो गई। इसके बाद आबूरोड की रिको पुलिस को जानकारी देने पर वह भी घटनास्थल पर पहुंच गये। जिसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि, ११ फरवरी को शंकर रबारी की बारात चंद्रावती गांव में आने वाली थी। शादी के तीन दिन पहले ही जिस गांव में उसकी बारात जाने वाली थी यह ही गांव में शंकर की निर्मम मौत हुई थी। यह समाचार पूरे क्षेत्र में फैलने से पूरा गांव शोक में डूब गया है। दूसरी तरफ शंकर की विधवा बुआ का एक का एक लाडला बेटा भी दुर्घटना में मारे जाने पर पूरा परिवार शोक में डूब गया है।

एमेज़ॉन ने प्रोपेल स्टार्टअप एक्सलरेटर का सीज़न 2 लॉन्च किया; इस कार्यक्रम का उद्देश्य निर्यात बढ़ाना और भारत में वैश्विक ब्रांड्स का निर्माण करना है

बैंगलुरू, 09 फरवरी, 2022: आज एमेज़ॉन इंडिया ने ग्लोबल सेलिंग प्रॉपेल स्टार्टअप एक्सलरेटर के दूसरे सीज़न के लॉन्च की घोषणा की। यह अभियान उभरते हुए भारतीय ब्रांड एवं स्टार्टअप्स को पूरी दुनिया में ग्राहकों तक पहुंचने के लिए समर्पित सहयोग देने के लिए डिज़ाईन किया गया है। स्टार्टअप एक्सलरेटर कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स स्पेस में शुरुआती चरण स्टार्टअप्स को सहयोग करने के लिए डिज़ाईन किया गया है, ताकि वो एमेज़ॉन ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम की मदद से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश कर भारत के ग्लोबल ब्रांड्स का निर्माण कर सकें। इसमें भाग लेने वाले स्टार्टअप्स को एमेज़ॉन से 100,000 डॉलर की पूर्णतः ईक्विटी-फ्री ग्रांट जीतने का मौका मिलेगा तथा उन्हें 10,000 डॉलर मूल्य के मुफ्त एडब्लूएस क्रेडिट मिलेंगे। यह प्रोग्राम स्टार्टअप्स को पार्टनर वीसी फर्म्स- एक्सेल, डीएसजी कंज़्यूमर पार्टनर्स, फायरसाईड वेंचर्स एवं सिकोइयाकैपिटल इंडिया को अपने व्यवसायिक प्रस्तावों का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करेगा। लोकप्रिय बॉलिवुड अभिनेता एवं एंजेल निवेशक, कुणाल कपूर इस प्रोग्राम में मेंटर के रूप में शामिल हो गए हैं।

अमित अग्रवाल, एसवीपी - इंडिया एवं इमर्जिंग मार्केट्स, एमेज़ॉन ने कहा, "ग्लोबल सेलिंग प्रॉपेल एक्सलरेटर उभरती हुई कंपनियों को अपने व्यवसायिक प्रस्ताव को जीवंत करने एवं भारत में विश्वस्तर पर लोकप्रिय ब्रांड्स का निर्माण करने का अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। यह निर्यात को हर आकार के व्यवसाय के लिए आसान बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम 2025 तक भारत से ई-कॉमर्स निर्यात में 10 बिलियन डॉलर का व्यवसाय संभव बनाना चाहते हैं।"

आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड ने सेबी के साथ डीआरएचपी फाइल की

आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड(आईजीईएसएल)भारत के भीतर एक प्रमुख पवन ऊर्जा संचालन और रखरखाव (ठओ एंड एमठ) सेवा प्रदाता है। यह कंपनी, आईनॉक्स विंड लिमिटेड (ठआईडब्ल्यूएलठ) की एक सहायक कंपनी है जो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड पर सूचीबद्ध है और आईनॉक्स जीएफएल कंपनियों के समूह (ठआईनॉक्स जीएफएल ग्रुपठ) का हिस्सा है।

आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड ने 7 फरवरी 2022 को सेबी के यहाँ डीआरएचपी फाइल किया है। कंपनी की योजना कुल 740 करोड़ रु. तक के आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने की है जिसमें कुल 370 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है और कुल 370 करोड़ रुपये तक का ऑफर फॉर सेल है। आईजीईएसएल इश्यू से होने वाली शुद्ध आय का उपयोग हमारी कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों के पूर्ण या आंशिक चुकौती और/या पूर्व-भुगतान के लिए करने का इरादा रखती है, जिसमें कुल 260 करोड़ रु. के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स का रिडेम्प्शन शामिल है और शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जायेगा।

आईजीईएसएल पवन वृऩषि परियोजनाओं, विशेषकर विंड टर्बाइन जेनरेटर्स (ठडब्ल्यूटीजीठ) के लिए ओ एंड एम सेवाओं के प्रावधान और ऐसे डब्ल्यूटीजी से बिजली की निकासी में सहायता देने वाले विंड फार्म पर सामान्य बुनियादी ढांचा सुविधाओं के लिए दीर्घकालिक ओ एंड एम सेवाएँ उपलब्ध कराने के व्यवसाय में संलग्न है।

पश्चिम रेलवे

विद्युत का उन्नयन कार्य

उप मुख्य विद्युत अभियंता, (निर्माण) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा ने आमंत्रित किया ई-निविदा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार - निविदा सूचना संख्या और दिनांकः TR-C-1- 2022 दिनांकः 09.02.22। कार्य स्थान : विद्युत का उन्नयन के निर्माण के संबंध में कार्य के पीओएच उपक्रम के लिए बुनियादी ढाँचा प्रति माह 200 बीसीएनएचएल वैगन। लगभग काम की लागत : रु. 1,35,08,918/-. ईएमडी रु. 2,17,600/- निविदा अपलोड करने की तिथि 09.02.22. दिनांक और समय सबमिशनः 09.03.22 को 15:00 . तक घंटे खुलने की तिथि और समय 09.03.22 से 15:30 बजे तक। के बारे में कृपया विस्तृत निविदा शर्तें हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.inपर जाएं

0704

हमें लाइक करें facebook.com/westernRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95